संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक

घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -227 मंगलवार ,18 जून 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

कंचनजंगा एक्सप्रेस और मालगाड़ी की टक्कर में 15 की मौत

सुबह 5.50 पर सिग्नल खराब,3 घंटे बाद कंचनजंगा एक्सप्रेस से टकरा गई मालगाड़ी,रेलवे की गलती या चालक जिम्मेदार ?

» हादसे का शिकार हुई कंचनजंगा एक्सप्रेस ने कई सवालों को जन्म दे दिया है...

» सबसे बड़ा सवाल यह है कि हादसा तकनीकी खराबी के कारण हुआ या फिर मालगाड़ी के लोको पायलट ने नियमों की अनदेखी की...

» हादसे में 15 लोगों की मौत और 60 के घायल होने की जानकारी

दार्जिलिंग,17 जून 2024 (ए)। पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग में सोमवार सुबह 8:55 बजे एक मालगाड़ी ट्रेन ने कंचनजंगा एक्सप्रेस (13174) को पीछे से टक्कर मार दी। सूत्र ने हादसे में 15 लोगों की मौत और 60 के घायल होने की जानकारी दी है।

रेलवे बोर्ड की चेयरमैन और सीईओ जय वर्मा ने 5 लोगों की मौत और 25 लोगों के घायल होने की पुष्टि की है। वहीं, ईस्टर्न रेलवे के सीपीआरओ कौशिक मित्रा ने नॉर्थ-ईस्ट फ्रंटियर रेलवे के हवाले से बताया कि 2 लोको पायलट और एक गार्ड समेत 8 लोगों की मौत हुई है।

रेलवे बोर्ड की चेयरमैन के मुताबिक, मालगाड़ी के लोको पायलट ने सिग्नल ओवरशूट किया। जिसके कारण वह कंजनजंगा एक्सप्रेस से टकरा गई। इस हादसे में गार्ड का डिब्बा, जनरल डिब्बा क्षतिग्रस्त हुआ है। आर्मी और एनडीआरएफकी टीमों ने रेस्क्यू का काम पूरा कर लिया है। रेल रूट के रेस्टोरेशन का काम शुरू हो चुका है।

कौशिक मित्रा ने बताया कि कंचनजंगा एक्सप्रेस ट्रेन के आखिरी में दो पार्सल और एक एसएलआर कोच लगे हुए थे। इसमें कोई पैसेंजर नहीं था। ट्रेन के 5 डिब्बे क्षतिग्रस्त हुए हैं। 12:40 बजे एक स्पेशल ट्रेन सियालदह के लिए रवाना हो चुकी है। ट्रेन में अधिकतर यात्री मालदा और बोलपुर के हैं। सिंगल लाइन पर ट्रेन सेवा शुरू कर दी गई है।

सूत्रों का दावा- जब हादसा हुआ,उसके 3 घंटे पहले से सिग्नल खराब था...

रेलवे के एक सूत्र ने बताया कि पश्चिम बंगाल में रानीपात्रा रेलवे स्टेशन और छत्तर हाट जंक्शन के बीच ऑटोमैटिक सिग्नलिंग सिस्टम सुबह 5.50 बजे से ही खराब था। कंचनजंगा एक्सप्रेस सुबह 8:27 बजे रंगापानी स्टेशन से रवाना हुई और सुबह 5:50 बजे सिग्नलिंग सिस्टम में खराबी के कारण रानीपात्रा रेलवे स्टेशन और छत्तर हाट के बीच रुकी रही।

जब सिग्नलिंग सिस्टम में खराबी आती है तो स्टेशन मास्टर टीए 912 रिटन अथॉरिटी जारी करता है। यह ड्राइवर को खराबी के कारण सभी रेड सिग्नल पार करने का अधिकार देता है।रानीपात्रा के स्टेशन मास्टर ने कंचनजंगा एक्सप्रेस को टीए 912 जारी किया था। ट्रेन 10 मिनट से यहां रुकी रही। 8:42 बजे रंगापानी से निकली मालगाड़ी कंचनजंगा एक्सप्रेस से भिड़ गई।

सूत्रों के मुताबिक, केवल जांच से ही पता चल सकता है कि क्या मालगाड़ी को खराब सिग्नल को तेज गति से पार करने के लिए टीए 912 भी दिया गया था या यह लोको पायलट की गलती थी, जिसने डिफेक्टिव सिग्नल नॉर्म का उल्लंघन किया।

यदि दूसरी कंडीशन अप्लाई होती है तो रेलवे के नियम के मुताबिक, ड्राइवर को हर डिफेक्टिव सिग्नल पर एक मिनट के लिए ट्रेन को रोकना चाहिए था। इतना ही नहीं, इस दौरान ट्रेन की स्पीड भी 10 किमी प्रति घंटे की होनी चाहिए थी।

हादसे के बाद फिलहाल कंचनजंगा एक्सप्रेस अलुआबारी स्टेशन पर है। यहां फिटनेस टेस्ट के बाद उसे सियालदह के लिए रवाना किया जाएगा। सारे पैसेंजर्स को 12:40 बजे स्पेशल ट्रेन से सियालदह के लिए रवाना किया जा चुका है।

रेलवे बोर्ड की अध्यक्ष जया वर्मा सिन्हा ने बताया कि हादसे वाले रूट पर कवच सिस्टम नहीं था। इस पर जल्द ही काम शुरू किया जाएगा। अब तक 1500 किलोमीटर रेलवे ट्रैक पर कवच सिस्टम एक्टिव है। इस साल के आखिरी तक इसे 3 हजार किलोमीटर तक ले जाया जाएगा।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने घटना में जान गंवाने वाले लोगों को 10 लाख रुपए, गंभीर घायलों को 2.50 लाख रुपए और मामूली घायलों को 50 हजार रुपए की सहायता राशि देने की घोषणा की है। इसके अलावा हादसे में मारे गए लोगों को प्रधानमंत्री राहत कोष से 2-2 लाख रुपए और घायलों को 50 हजार रुपए मदद का ऐलान किया गया है।

नॉर्थ-ईस्ट फ्रंटियर रेलवे के सब्यसाची दे ने कहा- जिस ट्रैक पर हादसा हुआ है, उसे रात तक चालू कर दिया जाएगा। डाउन कंचनजंगा एक्सप्रेस भी रात में चलेगी। एक्सीडेंट की वजह से 19 ट्रेनें डायवर्ट की गई हैं।

रेल मंत्री बोले-हादसे की जांच होगी

कंचनजंगा एक्सप्रेस दुर्घटना के बाद केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव आज दोपहर दार्जिलिंग पहुंचे। घटनास्थल पर वे बाइक से आए। रेस्क्यू ऑपरेशन का जायजा लिया और कहा- रेलवे सुरक्षा आयोग पूरी जांच करेगा। बचाव अभियान समाप्त हो चुका है और अब ध्यान मेन लाइन की बहाली पर है। हम इस दुर्घटना के पीछे के कारण की पहचान करेंगे।

रेलवे को यात्री सुविधाओं की परवाह नहीं:ममता

कंचनजंगा एक्सप्रेस ट्रेन दुर्घटना पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा- रेल मंत्रालय को यात्रियों की सुविधाओं की परवाह नहीं है। उन्हें अधिकारियों, इंजीनियरों, तकनीकी कर्मचारियों और श्रमिकों की भी परवाह नहीं है। वे भी परेशानी में हैं। उनकी पुरानी पेंशन वापस ले ली गई है।मैं पूरी तरह से रेलवे कर्मचारियों और रेलवे अधिकारियों के साथ हूं। वे अपनी पूरी कोशिश कर रहे हैं। लेकिन इस सरकार को केवल चुनाव की परवाह है। कैसे हैकिंग की जाए, कैसे हेरफेर की जाए, कैसे चुनाव में धांधली की जाए। इन्हें काम करने में अधिक समय बिताना चाहिए, बयानबाजी में नहीं।

एनसीआरटी बोला-हम किताबों में भारत और इंडिया दोनों लिखेंगे

» जो संविधान कहेगा वही मानेंगे...कौन सा शब्द लिखा जाए यह बहस बेकार...

नई दिल्ली,17 जून 2024 (ए)। नेशनल काउंसिल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग ने सोमवार 17 जून को कहा कि अपनी किताबों में हम भारत और इंडिया दोनों लिखेंगे। जो संविधान कहेगा, हम वही मानेंगे। कौन सा शब्द यानी (इंडिया या भारत) लिखा जाए, यह बहस बेकार है। किताबों में भारत और इंडिया शब्द इंटरचेंजिएबली तरीके (कभी भारत तो कभी इंडिया) से किया जाएगा।

एनसीआरटी का ये बयान इसलिए अहम है, क्योंकि कुछ महीनों पहले सोशल साइंस के सिलेबस पर काम कर रहे एक हाईलेवल पैनल ने इंडिया की जगह भारत लिखने

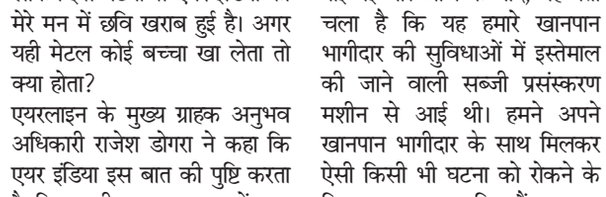

का प्रस्ताव रखा था।

अब एनसीआरटी प्रमुख दिनेश प्रसाद सकलानी ने दिए इंटरव्यू में साफ किया कि किताबों में दोनों नामों का इस्तेमाल किया जाएगा। हमें दोनों शब्दों से किसी तरह की नापसंदगी नहीं है। हम ये नहीं करेंगे कि या तो इंडिया लिखें या भारत। हम अभी भी दोनों नाम लिख रहे हैं।

एनसीआरटी अपने सिलेबस में नई शिक्षा नीति के तहत बदलाव के लिए 19 सदस्यों की एक कमेटी बनाई गई थी। कमेटी के चेयरपर्सन सीआई आइजैक ने 25 अक्टूबर को बताया कि भारत का जिक्र विष्णु पुराण जैसे ग्रंथों में है, जो 7 हजार साल पुराने हैं। इंडिया नाम आमतौर पर ईस्ट इंडिया कंपनी और 1757 के प्लासी के युद्ध के बाद इस्तेमाल होना शुरू हुआ। ऐसे में देश के लिए भारत नाम का ही इस्तेमाल किया जाना चाहिए।

आईजैक ने एनसीआरटी के सिलेबस में क्लासिकल हिस्ट्री शामिल करने के पीछे तर्क दिया- अंग्रेजों ने भारतीय इतिहास को प्राचीन, मध्यकालीन और आधुनिक में बांट दिया। प्राचीन इतिहास बताता है कि देश अंधेरे में था, उसमें वैज्ञानिक जागरूकता नहीं थी। हमारा सुझाव है कि बच्चों को मध्यकाल और आधुनिक इतिहास के साथ प्राचीन भारत के बजाय क्लासिकल हिस्ट्री भी पढ़ाई जानी चाहिए। साथ ही सभी विषयों के सिलेबस में इंडियन नॉलेज सिस्टम शामिल किया जाना चाहिए।

तब एनसीआरटी ने कहा था कि पैनल के सुझावों पर कोई फैसला नहीं लिया गया है।

जी-20 समिट में पहली बार इंडिया की जगह भारत नाम आया

9-10 सितंबर 2023 में दिल्ली के भारत मंडपम में जी-20 समिट हुई थी। इसमें भारत सरकार ने आधिकारिक रूप से पहली बार भारत की राष्ट्रपति के लिए प्रेसिडेंट ऑफ इंडिया की जगह प्रेसिडेंट ऑफ भारत लिखा था। समिट में ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नेमप्लेट पर इंडिया की बजाय भारत लिखा गया था।

एनसीआरटी संघ की शाखा की तरह काम कर रहा- जयराम रमेश

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि 2014 से एनसीआरटी संघ से जुड़े संस्थान की तरह काम कर रहा है। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने नीट एग्जाम 2024 में ग्रेस मार्क्स के लिए एनसीआरटी पर आरोप लगाया है। एनसीआरटी लंबे समय से प्रोफेशनल संस्थान नहीं रह गया है। रमेश ने ये भी कहा कि एनसीआरटी को मानना चाहिए कि वह नेशनल काउंसिल फॉर एजुकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग है, न कि नागपुर या नरेंद्र मोदी काउंसिल फॉर एजुकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग।

भाजपा और कांग्रेस ने प्रत्याशियों का किया एलान

नई दिल्ली,17 जून 2024 (ए)। भारतीय जनता पार्टी ने पंजाब और पश्चिम बंगाल में होने वाले विधानसभा उपचुनाव में अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। पंजाब की जालंधर पश्चिम विधानसभा सीट पर भाजपा ने शीलत अंगुराल को उतारा है। पश्चिम बंगाल की रायगंज सीट पर मानस कुमार घोष, राणाघाट दक्षिण पर मनोज कुमार बिस्वास, बगदा सीट पर बिनय कुमार बिस्वास और मानिकताला सीट पर कल्याण चौबे को उतारा है।

सोमवार को कांग्रेस ने हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड की चार विधानसभा सीटों पर प्रत्याशियों का एलान किया।पार्टी ने हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर और नालागढ़ निर्वाचन क्षेत्रों से डॉ. पुष्पेंद्र वर्मा और हरदीप सिंह बावा को टिकट दिया है। उत्तराखंड के बद्रीनाथ और मंगलौर निर्वाचन क्षेत्रों से लखपत बुटोला और काजी निजामुद्दीन को उम्मीदवार बनाया है।

10 जुलाई को वोटिंग

इन विधानसभा सीटों पर 10 जुलाई को मतदान होना है। शुक्रवार को उपचुनाव की अधिसूचना जारी हुई थी। इसी के साथ नामांकन प्रक्रिया भी शुरू हो गई है। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 21 जून है। नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि 26 जून है। मतों की गिनती 13 जुलाई को होगी।

एयर इंडिया की बड़ी लापरवाही

यात्री के खाने में मिला ब्लेड

नई दिल्ली,17 जून 2024 (ए)। एयर इंडिया की बेंगलुरू से सैन फ्रैंसिस्को जाने वाली फ्लाइट में बड़ी लापरवाही सामने आई है। फ्लाइट में एक यात्री के खाने में मेटल ब्लेड मिला है। इस बात की पुष्टि खुद एयरलाइन ने की है। वहीं फ्लाइट के खाने में ब्लेड मिलने के बाद यात्री ने काफी नाराजगी जताई।

यात्री ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि एयर इंडिया का खाना चाकू की तरह काट सकता है। शकरकंद और अंजीर चाट में एक मेटल का टुकड़ा छिपा हुआ था जो ब्लेड जैसा दिख रहा था। मुझे इसका अहसास कुछ सेकंड तक खाने को चबाने के बाद हुआ। शुक्र है कि कोई नुकसान नहीं हुआ। बेशक, इसका दोष पूरी तरह से

एयर इंडिया की खानपान सेवा पर है, लेकिन इस घटना से एयर इंडिया की मेरे मन में छवि खराब हुई है। अगर यही मेटल कोई बच्चा खा लेता तो क्या होता?

एयरलाइन के मुख्य ग्राहक अनुभव अधिकारी राजेश डोगरा ने कहा कि एयर इंडिया इस बात की पुष्टि करता है कि हमारी एक फ्लाइट में एक यात्री के खाने में कोई मेटल वस्तु पाई गई थी। जांच के बाद, यह पता चला है कि यह हमारे खानपान भागीदार की सुविधाओं में इस्तेमाल की जाने वाली सब्जी प्रसंस्करण मशीन से आई थी। हमने अपने खानपान भागीदार के साथ मिलकर ऐसी किसी भी घटना को रोकने के लिए उपाय मजबूत किए हैं।

भाजपा के विधानसभा चुनाव प्रभारी घोषित

शिवराज को झारखंड और भूपेंद्र यादव को महाराष्ट्र का जिम्मा

नई दिल्ली,17 जून 2024 (ए)। भाजपा ने चार राज्यों में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए प्रदेश चुनाव प्रभारी की घोषणा कर दी है। मध्यप्रदेश के पूर्व सीएम और केंद्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान को झारखंड राज्य का चुनाव प्रभारी बनाया है।असम के मुख्यमंत्री हेमंत विश्व शर्मा सह प्रभारी होंगे। महाराष्ट्र में भूपेंद्र यादव प्रभारी बनाए गए हैं। अश्विनी वैष्णव सह प्रभारी है। हरियाणा में केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को प्रभार दिया गया है। पूर्व सीएम विप्लव कुमार देव को सह प्रभारी बनाया है। जम्मू कश्मीर में केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी प्रभारी बनाए गए हैं।

27 जून को होगा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का अभिभाषण

» 24 जून से शुरू होगा 18वीं लोकसभा का पहला सेशन

नई दिल्ली,17 जून 2024 (ए)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 27 जून को संसद के दोनों सदनों को संबोधित करेंगी यानि कि 27 जून को राष्ट्रपति का अभिभाषण होगा। नई सरकार के गठन के बाद 24 जून से 18 वीं लोकसभा का सत्र शुरू होगा। 24 और 25 जून को प्रोटेम स्पीकर नवनिर्वाचित सांसदों को शपथग्रहण कराएंगे। इसके बाद

लोकसभा स्पीकर के लिए चुनाव होगा। 25 जून तक लोकसभा स्पीकर के नाम दे सकते हैं। लोकसभा अध्यक्ष के लिए 26 जून को चुनाव होगा। 27 जून से राज्यसभा का सत्र भी बुलाया जाएगा।केंद्रीय संसदीय मंत्री किरन रिरिजू ने बताया कि संसद का सत्र 24 जून से शुरू होगा और 3 जुलाई तक चलेगा। 27 जून को राज्यसभा का सत्र भी बुलाया जाएगा।

ऑटो ड्राइवर के बेटे ने रचा इतिहास

» पहले जेईई एडवांस में पाया शानदार रैंक अब एमएचटी सीईटी में पाए 100 फीसदी मार्क्स

मुंबई,17 जून 2024 (ए)। महाराष्ट्र में एक ऑटो ड्राइवर के बेटे ने इतिहास रच दिया है। महाराष्ट्र टेक्निकल कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (एमएचटी सीईटी) में पार्थ वैटी ने 100 प्रतिशत स्कोर किया है।

सीईटी सेल भारत के महाराष्ट्र राज्य में व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए विभिन्न प्रवेश परीक्षा आयोजित करता है। इसका प्राथमिक उद्देश्य इंजीनियरिंग, प्रबंधन, फार्मेसी, कृषि,

कानून, चिकित्सा, आयुष और ललित कला जैसे व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाना है। एक ऑटो ड्राइवर के बेटे पार्थ वैटी ने इस साल महाराष्ट्र टेक्निकल कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (एमएचटी सीईटी) में 100 प्रतिशत अंक हासिल किए हैं। राज्य कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (सीईटी) ने परीक्षा के परिणाम रविवार शाम को घोषित किए। राज्य भर में, वैटी सहित 37 छात्रों ने इस साल 100 फीसदी अंक पाए हैं।

ऑटो-रिक्शा की टक्कर में सेना के दो जवानों की मौत

6 जवानों सहित सात अन्य घायल

नागपुर,17 जून 2024 (ए)। महाराष्ट्र के नागपुर में एक तेज रफ्तार निजी बस और ऑटो-रिक्शा की टक्कर में सेना के दो जवानों की मौत हो गई और छह जवानों सहित सात अन्य घायल हो गए। यह दुर्घटना तब हुई जब कैम्पटी में गार्ड्स रेजिमेंट सेंटर के आठ जवान ऑटो-रिक्शा में यात्रा कर रहे थे।

अधिकारियों ने बताया कि जब वे शाम करीब साढ़े 5 बजे कन्हान नदी पुल के पास पहुंचे तो एक बस ऑटो-रिक्शा से टकरा गई। घायलों में कुछ युवकों की हालत गंभीर बताई जा रही है। दो ऑटो रिक्शा में पंद्रह जवान कन्हान में खरीदारी करने जा रहे थे। वापस लौटते समय, पावल ट्रैवल्स की एक बस उनके एक वाहन से टकरा गई। अधिकारियों ने बताया

कि दूसरे ऑटो रिक्शा में सवार जवानों और स्थानीय लोगों ने जवानों को बाहर निकाला। दुर्घटना में ऑटो-रिक्शा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया और महज कबाड़ बनकर रह गया। जबकि सैनिक विघ्नेश और धीरज राय ने दम तोड़ दिया, अन्य - दीन प्रधान, कुमार पी, शेखर जाधव, अरविंद, मुरुगन और नागरत्तम - का इलाज चल रहा है। ऑटो चालक शंकर खरकबान की भी हालत गंभीर है। महाराष्ट्र पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है।

भारतीय नौसेना की बढ़ेगी ताकत

» बेड़े में शामिल होंगी आधुनिक तकनीक वाली छह पनडुब्बियां

नई दिल्ली,17 जून 2024 (ए)। भारतीय नौसेना स्पेन में 'प्रोजक्ट 75 भारत (पी75आई)' के तहत अत्याधुनिक उपकरणों का परीक्षण करने जा रही है। स्पेन की एक जहाज निर्माता (शिपयार्ड) कंपनी नवंतिया के अनुसार इस परीक्षण के बाद भारतीय नौसेना छह आधुनिक पनडुब्बियों को अपने बेड़े में शामिल करेगी।नवंतिया के चेयरमैन रिकार्डो डोमिंगुज गार्सिया बाकुएरो का कहना है कि स्पेन की सरकार और नौसेना पी75आई को लेकर काफी उत्साहित है और हर तरह से इस प्रोजक्ट में भारत की मदद करना चाहती है। इस योजना के तहत भारत सरकार के साथ एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए जाएंगे।

संपादकीय

अग्निवीरों के बेहतर भविष्य की बुनियाद हो

अग्निपथ योजना सशस्त्र बलों की तीन सेवाओं में सैनिकों की भर्ती के लिए भारत सरकार द्वारा शुरू की गई योजना है, जिसकी घोषणा जून 2022 में की गई। योजना के तहत भर्ती जवानों को अग्निवीर कहा जाता है। सरकार ने अब इस योजना की समीक्षा का कार्य दस अलग-अलग मंत्रालयों के सचिवों को सौंपा है। वे इस भर्ती को अधिक आकषर्क बनाने के सुझाव भी देंगे। इसकी कमियों को दूर भी किया जा सकता है। यह भर्ती चार साल के लिए होती है, जिसमें नियमित वेतन के अतिरिक्त चार साल पूरे होने के बाद अग्निवीरों को लगभग बारह लाख रुपए मिलते हैं। निश्चित संख्या में तकरीबन पच्चीस फीसद अग्निवीरों को स्थायी सेवा का अवसर भी मिलता है।माना जा रहा है कि अग्निवीर योजना के अंतर्गत वेतन भत्तों में बढ़ोतरी व अन्य लाभ का प्रस्ताव दिया जा सकता है। चूंकि यह योजना सरकार के प्रथम सौ दिन के एजेंडे में शामिल है इसलिए अधिकारी अपनी विस्तृत प्रस्तुति जल्दी ही प्रधानमंत्री कार्यालय को देंगे। आम चुनाव के दौरान इस योजना को विपक्ष द्वारा लगातार निशाने पर रखा गया था। वे अग्निवीर योजना को युवाओं के भविष्य के प्रति खिलवाड़ की तरह पेश कर रहे थे।साथ ही सत्ता में आने पर इसे समाप्त करने की भी बात की जा रही थी। यह मोदी सरकार की रोजगार योजना का अभिन्न हिस्सा है। हालांकि विशेषज्ञों व पूर्व सैनिकों की दलील है कि मात्र छह माह के प्रशिक्षण से सैनिक नहीं तैयार होता। दूसरे, पूर्व-अग्निवीरों को अर्ध-सैनिक बलों या पुलिस बलों जैसी सेवाओं में शामिल न किए जाने को लेकर सरकार की बहुत आलोचना हो रही है। इतना ही नहीं बल्कि इसे मायावी रोजगार कहा जा रहा है।इन्हें देश के सशस्त्र बलों में सेवा के लिए अयोग्य भी घोषित किए जाने को लेकर विवाद है। सेवा की इस अल्प अवधि यानी चार साल बाद ये युवा पुनः बेरोजगारों की श्रेणी में आ जाएंगे।

इस तरह स्पीकर बने थे बालयोगी

लोकसभा में टीडीपी के नेता होते थे के येरन नायडू... नायडू वाजपेयी सरकार में मंत्री बने इस बीच चंद्रबाबू नायडू ने बालयोगी को स्पीकर बनाने का फैसला ले लिया...लेकिन इसकी जानकारी बालयोगी को नहीं मिल पाई तब इतने फोन नहीं होते थे...

मार्च 1998 के दूसरे हफ्ते की कोई तारीख।नौ मार्च को चुनाव के नतीजे आ चुके थे। इंद्रकुमार गुजराल सरकार के इस्तीफे के बाद हुए चुनाव की मतगणना 9 और दस मार्च को हो चुकी थी। तब अटल बिहारी वाजपेयी की अगुआई वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन 265 सीटों के साथ सबसे बड़ा समूह बनकर उभर चुका था, फिर भी वह बहुमत के जादुई आंकड़े से सात सीटें दूर था।

चुनाव मैदान में बाजी मार चुके सांसदों का दिल्ली पहुंचना शुरू हो गया था इस बीच दिल्ली के इंदिरा गांधी हवाई अड्डे पर बार-बार हिंदी और अंग्रेजी में एक उद्घोषणा हो रही थी। एक नवनिर्वाचित सांसद के लिए बार-बार एनाउंसमेंट हो रहा था. वे खास जगह पर पहुंचें और वहां मौजूद व्यक्ति से संपर्क करें।.

जिनके लिए चर्चा हो रही थी, उनके कानों में आवाज पड़ी तो तकरीबन भागते हुए पहुंचे।.दरअसल नवनिर्वाचित सांसदों को ठहराने का इंतजाम लोकसभा का सचिवालय देखता है। जिनके घर नहीं होते या जो पहली बार चुने जाते हैं, उनके ठहरने का इंतजाम सचिवालय ही करता है। उन्हें हवाई अड्डे या रेलवे स्टेशन से रिसीव करके वहां ले जाया जाता है।.वह नवेले सांसद सोच रहे थे कि शायद सचिवालय वाले ही उन्हें खोज रहे हैं।

यही सोचते हुए वह नवेले सांसद बताई हुई जगह पर पहुंचे लेकिन वहां का माहौल उनकी सोच से कुछ अलग ही था।.उनके सामने लोकसभा स्पीकर के नामांकन के तीन-चार सेट रखे हुए थे। काउंटर पर मौजूद लोग बीजेपी के कार्यकर्ता थे,उन्होंने जल्दी-जल्दी उनसे उन नामांकन पत्रों पर हस्ताक्षर कराया और फिर कार में बैठाकर उन्हें ले उड़े। वह सांसद थे,आंध्र प्रदेश की अमला पुरम् सीट से चुने गए गंति मोहन चंद्र बालयोगी,जिन्हें बाद में इतिहास जीएमसी बालयोगी नाम से याद करता है.। बहुमत के आंकड़े से दूर रह गए एनडीए को तेलुगू देशम ने समर्थन देने का ऐलान कर दिया था। दरअसल बहुमत ना मिलने के बाद बीजेपी और एनडीए ने बातचीत के रास्ते खोल रखे थे।एनडीए के संयोजक जार्ज फर्नांडिस का तेलुगू देशम के प्रमुख नारा चंद्रबाबू नायडू अच्छे रिश्ते थे। .बात बन गई और बारह सांसदों वाली नायडू की अगुआई वाली तेलुगू देशम पार्टी यानी टीडीपी ने वाजपेयी की अगुआई वाली भावी सरकार को समर्थन देने का फैसला कर लिया। टीडीपी ने बदले में मंत्रीपद के साथ ही अपने लिए लोकसभा अध्यक्ष का पद भी मांगा। जयललिता तब एनडीए में शामिल थीं, लेकिन उन्होंने समर्थन पत्र देने में इतनी देर लगाई थी कि उन्हें लेकर बीजेपी सशंकित हो गई थी इसलिए समर्थन के बदले नायडू की शर्तों को उसने स्वीकार करने के लिए तकरीबन मजबूर होना पड़ा।

तब लोकसभा में टीडीपी के नेता होते थे के येरन नायडू। नायडू वाजपेयी सरकार में मंत्री बने। इस बीच चंद्रबाबू नायडू ने बालयोगी को स्पीकर बनाने का फैसला ले लिया। लेकिन इसकी जानकारी बालयोगी को नहीं मिल पाई। तब इतने फोन नहीं होते थे। शायद वे दिल्ली के रास्ते में थे, इसलिए उन तक सूचना पहुंच नहीं पाई। लोकसभा का अध्यक्ष के लिए नामांकन की अधिसूचना जारी हो चुकी थी,इसमें देर ना हो,इसीलिए बालयोगी का हवाई अड्डे पर बेसब्री से इंतजार हो रहा था। बालयोगी के लिए नामांकन पत्र के कई सेट तैयार रखे गए थे। हवाई अड्डे पर ही उन पर बालयोगी के हस्ताक्षर कराकर एक दल सीधे उन्हें लेकर संसद पहुंचा और उनका नामांकन दाखिल कराया गया। इसके बाद उन्हें करोलबाग के उस खास दर्जी के पास ले जाया गया, जो राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और लोकसभा स्पीकर के लिए खासतौर पर सूट तैयार करता था। बालयोगी ऐसे स्पीकर रहे, जिन्हें नामांकन पत्र पर हस्ताक्षर करने के बाद पता चला कि वे देश की सबसे बड़ी पंचायत के प्रमुख बनने जा रहे हैं। उन्हें इसके पहले तक इसकी भनक तक नहीं लगी थी।

बालयोगी हालांकि लोकसभा के लिए पहली 1991 में चुने जा चुके थे, लेकिन 1996 में वे हार गए । इसके बाद 1998 में वे दूसरी बार लोकसभा पहुंचे। पेशे से वकील बालयोगी ने स्पीकर रहते एक गलती की। 1999 में वाजपेयी सरकार के खिलाफ पेश अविश्वास प्रस्ताव के मतदान पर उड़ीसा से कांग्रेसी सांसद गिरिधर गोमांग के मतदान पर फैसला खुद नहीं लिया,बल्कि उनकी अंतरात्मा पर फैसला छोड़ दिया। दरअसल गोमांग कुछ महीने पहले ही उड़ीसा के मुख्यमंत्री बन चुके थे, यह बात और है कि उन्होंने तब तक लोकसभा से इस्तीफा नहीं दिया था। गोमांग के मतदान में हिस्सा लेने पर बीजेपी सांसदों,खासकर भदोही के तत्कालीन सांसद वीरेंद्र सिंह मस्त ने सवाल उठाया था। वह सरकार महज एक वोट से गिर गई थी। कहा जाता है कि अगर बालयोगी ने गोमांग को मतदान से रोक दिया होता तो देश सैकड़ों करोड़ के चुनावी खर्च से बच जाता.. क्योंकि वाजपेयी सरकार बच जाती। संसदीय व्यवस्था के मुताबिक अगर पक्ष और विपक्ष में बराबर मत पड़ते हैं तो स्पीकर अपना मत किसी पक्ष को दे सकता है। अगर गोमांग को वोट नहीं देने दिया गया होता तो वाजपेयी सरकार के पक्ष और विपक्ष में बराबर-बराबर मत पड़ते, जिसके बाद बालयोगी सरकार के समर्थन में निर्णायक मत दे देते।

-उमेश चतुर्वेदी-

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

भारत की विदेश नीति सदैव वैश्विक विवादों के शांतिपूर्ण समाधान का पक्षधर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश में तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री बनने के बाद पांचवीं बार जी-7 सेवन की महत्त्वपूर्ण बैठक में शामिल हुए हैं।निश्चित तौर पर यह बैठक वैश्विक परिदृश्य के लिए महत्त्वपूर्ण होगी। प्रधानमंत्री मोदी जी ने अभी तक ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक, फ्रांस के राष्टपति इमानुएल मेंक्रो एवं इटली की राष्ट प्रमुख मेलोनी तथा यूक्रेन के राष्टपति व्लादिमीर जेलेन्सकी से अलग-अलग मुद्दों पर द्विपक्षी बैठक संपन्न की है। इसके अलावा अमेरिका के राष्टपति जो बाइडेन से भी मुलाकात संभावित है। जी-7 के सदस्य देशों ने चीन पर आर्थिक प्रतिबंध लगाने की बैठक में पुरजोर कोशिश की गई है। इसके अलावा पुतिन पर यूक्रेन के साथ युद्ध विराम करने के लिए भरसक प्रयास किया गया। पर भारत और अन्य जी-7 के सदस्य देश ॉिआर्टफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर गंभीर मुद्दों पर नए पहलुओं पर विचार कर रहे हैं।भारत हमेशा से शांति सद्भावना और सौहार्द का सर्वकालिक समर्थक रहा है। रूस-यूक्रेन युद्ध में भारत की तरफ से लगातार प्रयास किए जाते रहे हैं कि युद्ध विराम हो जाए और इसके लिए भारत में अथक प्रयास भी हुए हैं। यह अलग बात है कि विस्तारवादी दृष्टिकोण को लेकर पुतिन और जेलेंस्की अजीब सी राजनीतिक और कूटनीतिक परिस्थितियों में एक-दूसरे के सामने खड़े तथा अड़े हैं। अब इस्त्राइल-हमास युद्ध में भारत की नीति स्पष्ट रूप से आतंकवादी गतिविधियों और उग्रवाद के विरोध में रही है।भारत ने आतंकवादी संगठन हमास, हिज्बुल्लाह और फिलिस्तीन इस्लामी जिहाद का खुलकर विरोध किया है। दूसरी तरफ इस्त्राइल की बमबारी से घायल हुए फिलिस्तिनी नागरिकों के लिए सैकड़ो टन खाद्य सामग्री दवाएं और आवश्यक वस्तुएं तत्काल मुहैया कराई है। भारत के संबंध रूस के साथ-साथ जी-7 के सदस्य देश अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, इटली जापान, कनाडा और नाटो देशों से भी मधुर हैं। इन परिस्थितियों में अरब देश भारत के प्रति युद्ध विराम की संभावनाओं की तलाश में भारतीय पहल का इंतजार कर रहा है।अब भारत ने संयुक्त राष्ट संघ की सभा में जॉर्डन के शांति प्रस्ताव में वोटिंग में हिस्सा नहीं लिया, 120 देशों के मतों से प्रस्ताव पारित हो गया, 45 देशों ने वोटिंग में हिस्सा नहीं लिया। चूंकि जॉर्डन हमास को उग्रवादी संगठन नहीं मानता जबकि भारत हमास को कट्टर उग्रवादी मानने की नीति पर चल रहा है। अब भारत के लिए आगे बढ़कर पूरे विश्व का नेतृत्व करने का समय आ गया है। अब तक भारत ने संयुक्त राष्ट संघ द्वारा आहूत शांति प्रयासों तथा शांति निर्वहन संक्रियाओं का समर्थन कर रचनात्मक सहयोग हरसंभव किया है। भारत ने संयुक्त राष्ट संघ के आह्वान पर कोरिया, वियतनाम, लागोस, मिस्त्र, सीरिया, लाइबेरिया, युगोस्लाविया,नामीबिया, सोमालिया, सूडान सहित अनिगनत देशों में अपनी सेनाएं वहां पर शांति बहाली के लिए अलग-अलग समय में उपलब्ध करवाई थी।भारत द्वारा विश्व शांति की स्थापना की दिशा में संयुक्त राष्ट संघ शांति अभियानों में अनथक एवं बहुत बड़ा सहयोग किया है। उन्होंने कई देशों के मध्य पर्यवेक्षक की भूमिका भी सफलतापूर्वक निभाई है। इसके अलावा संयुक्त राष्ट संघ ने भारत को शांति निरीक्षण आयोगों, समितियों तथा अंतरिम विश्वास बहाली कार्यक्रमों में बतौर सदस्य नामित भी किया है। इस भूमिका को भी भारत ने बहुत सफलतापूर्वक निर्वहन किया है, वैसे भी भारत की विदेश नीति सदैव वैश्विक विवादों के शांतिपूर्ण समाधान का प्रबल पक्षधर रही है। इसीलिए भारत सरकार ने न सिर्फ संयुक्त राष्ट्र संघ के शांति बहाल अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया ।

-संजीव ठाकुर-

ऐसा भी होता है...

मुस्कान केशरी
मुजफ्फरपुर
बिहार

हर बार की तरह इस बार भी सच्ची घटनाओं पर आधारित लेख, शीर्षक से ही पाठक समझ चूँके होगे कि आज की लेख सोशल मीडिया पर आधारित है। तो चलिए शुरुआत करते हैं और जानते हैं कि आज के समय में सोशल मीडिया कितना जरूरी हो चूका है। सोशल मीडिया की अगर बात तो आज के समय बहुत कम सदस्य ही ऐसे मिलेगे जो सोशल मीडिया इस्तेमाल नही करते हो बाकि के सभी सदस्यों अपने पढ़ाई के लिए या काम के लिए या व्यापार के लिए सोशल मीडिया इस्तेमाल करते ही है और जरूरी भी है। इन सभी जरूरी बातों पर ध्यान बाद में दिया जाएगा। सबसे पहले जो सच्ची घटना घटी है उसके बारे में समझे। दस अप्रैल को एक वरिष्ठ महिला साहित्यकार की बात, मुस्कान केशरी जी से हो रही थी। उन्हे अपनी पुस्तक प्रकाशित करवानी थी। इस बात की जानकारी लेने हेतु वो कॉंल की थी तो मुस्कान केशरी जी ने सारी जानकारी दी और बोली कि आप अपनी रचनाएँ ईमेल के माध्यम से भेज दीजिए। तो वरिष्ठ साहित्यकार बोली- मुस्कान जी मुझे ईमेल चलाने नहीं आता है। वो तो पोता व्हाट्सएप चलाना सिखा दिया है तो चला लेते बाकि कुछ आता नहीं है। क्योकि मेरे समय में ये फोन वोन कहाँ था, इसलिए मुझे सही से चलाने नहीं आता है। हमलोगो के समय में तो पत्र चलता था। लेखिका बोली - ठीक है, आप पोस्ट के माध्यम से भेज दीजिए या फिर अपने पोता को बोलकर भेजवा दीजिएगा। वरिष्ठ साहित्यकार बोली - मुस्कान जी वो पढ़ता है तो उसके पास समय कहाँ की वो भेजे। ऐसे मै बोलकर देखती हुँ। तो लेखिका बोली - आप व्हाट्सएप पर ही भेज दीजिए। व्हाट्सएप पर तो आपको कोई परेशानी नहीं है मैम, अगर कोई परेशानी है तो बताए मै आपको समझा दुँगी ताकि आप सारी रचनाएँ भेज सके। तब वरिष्ठ साहित्यकार बोली - मुस्कान केशरी जी आप बहुत अच्छी है। आपको पता है एक दिन ऐसे ही एक फार्म आया था ÷नारी शक्ति सम्मान ÷ का, उसमे भी ईमेल करना था। लेकिन मुझे आता नहीं था तो मैं कॉंल करके बोली की मुझे ईमेल नही चलाना आता, क्या व्हाट्सएप पर भेज सकते हैं। तो वो लोग मना कर दिए और बोले ईमेल ही करना होगा अन्यथा वो फार्म नही डाल सकती हैं। तो वो अपने पोता को बोलकर - अपना परिचय और फोटो भेजवा देती है। लेखिका बोली - होता है मैम अभी ईमेल पर ही ज्यादातर काम किया जाता है। वो सब छोड़िए और हार्दिक शुभकामनाएँ मैम आपको नारी शक्ति सम्मान के लिए। वरिष्ठ साहित्यकार बोलती - नही जी, मै चयनित नही हुँ। लेखिका बोली - पर क्यों वैसे कोई बात नहीं, मैम ये सब फार्म हर साल आता है आप अगले बार फिर से फार्म डालिए और फार्म को पढ़कर डालिए क्योकि हर जगह का चयन प्रतिक्रिया अलग-अलग होता हैं। सहित्यकार बोली - केशरी जी मुझे आज तक जितने सम्मान पत्र प्राप्त हुए वो सब मैने अपने परिचय पर डाला था लेकिन आज तक फेसबुक पर कुछ डाला नहीं और उन्होने फेसबुक आईडी माँगा था और मै दे दी थी। उन्होने कॉंल करके बताया - मैम आपने अपने परिचय पर जितने सम्मान पत्र डाला, वो आपको सच में मिले है या नहीं। क्योकि फेसबुक पर कुछ नहीं डाला हुआ है इसलिए इन सब सम्मान पत्र की जाँच नही की जा पाई इसलिए आप इस सम्मान के लिए चयनित नही है। उसके बाद काफी सारी बाते हुई लेकिन हर बात लिखना संभव नहीं। अब चलिए बात करते हैं और समझते हैं कि आप को सारे सम्मान पत्र बहुत मेहनत से प्राप्त हुआ लेकिन आपने उसें फेसबुक पर नहीं डाला इसलिए आपका चयन नही हुआ। सोचने वाली बात है शायद इसलिए लोग कही भी खाने-पीने, घूमने-फिरने, जाते हैं तो मोबाइल साथ ले जाते हैं क्योंकि आज के टाइम में सबूत चाहिए और हाँ सोशल मीडिया पर लाइव, शेयर भी। आज के समय में लोग अपने आँखों से कुछ भी देखना भूल चूके है। अपने हाथो से मोबाइल में कैद करते हैं और फिर मोबाइल में ही देखकर खुश होते हैं। बिना सोशल मीडिया के या बिना मोबाइल के शायद इस दुनिया में रहना मुश्किल सा लग रहा है। क्योंकि जितनी तेजी से लोग मोबाइल या सोशल मीडिया का इस्तेमाल कर रहे हैं जितने ही तेजी से सोशल काइम भी हो रहे हैं। इसलिए सोशल मीडिया का इस्तेमाल करें और सतर्क रहे, सुरक्षित रहे।।

साहित्य अकादमी पुरस्कार शक के घेरे में

इस बार की साहित्य अकादमी युवा पुरस्कार की अंतिम घोषणा पूर्णतः जाली और संशयाधीन प्रतीत हो रही है...इससे बड़ी साहित्यिक दुर्घटना और क्या हो सकती है? इन मापदंडों पर चलते हुए हम कहाँ जा रहे हैं? समाज को क्या सीख दे रहे हैं? क्या इन्हीं अनैतिक मूल्यों के साथ आज का युवा और उनका साहित्य टिका हुआ है? साहित्य को गोरखधंधा बना दिया गया है...बहुत ही शर्म और जहालत की बात है। क्या साहित्य में माफिया गैंग का प्रवेश हो चुका है? आखिर क्या हो रहा है?

-डॉ सत्यवान सौरभ
बड़वा (सिवानी) भिवानी, हरियाणा

साहित्य अकादमी युवा पुरस्कार और माफिया गैंग

कल केंद्रीय साहित्य अकादेमी द्वारा 2024 के युवा व बाल साहित्य पुरस्कारों की घोषणा की। सोशल मीडिया पर खबर के बाद बधाईयों के साथ- साथ, जैसे अकादेमी पुरस्कारों को लेकर हर साल होता रहा है, कोई न कोई सवाल, विवाद तो उठता ही उठता है। इस बार भी कुमार सुशांत ने प्रविष्टि की अंतिम तिथि, और उसके बाद छपी पुस्तकों पर सवाल उठाते हुए पोस्ट लिखी तो जाहिर है मामला तूल पकड़ना ही था। कई प्रतिक्रियाएं, सवालों के रूप में सामने आ रही हैं। अकादमी के किसी भी नियम में अंतिम तिथि के बाद प्राप्त किताबों पर विचार के लिए कहीं कोई विशेषाधिकार का जिक्र या प्रावधान नहीं है।

नियम -3 के बिन्दु (6) में स्पष्ट लिखा है कि 24 भारतीय भाषाओं में प्राप्त सुयोग्य पुस्तकों की सूची संबध्द भाषा परामर्श मण्डल के (संयोजक सहित) सभी सदस्यों को इस अनुरोध के साथ भेजी जाएगी कि वे अकादेमी द्वारा निर्धारित तिथि तक दो पुस्तकों का अनुमोदित करें। नियम 7-विविध के पहले पैराग्राफ में यह जरूर लिखा है कि यदि भाषा परामर्श मण्डल के किसी सदस्य या निर्णायक के द्वारा संस्तुति भेजने की समय सीमा की अनदेखी की जाती है तो अकादेमी यह मानकर चलेगी कि उसकी कोई संस्तुति नहीं है और तदनुसार अपनी पुरस्कार प्रक्रिया को आगे बढ़ाएगी सिवाय उस विशेष परिस्थिति के जिसमें अकादेमी समय-सीमा को बढ़ा पाने की स्थिति में हो तथा वास्तव में उसे बढ़ाती हो। आश्चर्य की बात जिन तीन लोगों के बारे में सवालिया निशान हैं वे तीनों ज्यूरी के द्वारा रेकॉमेंडेड हैं यानी तीनों पुस्तकों की पैरवी की गई है। वाह रे साहित्य अकादमी। कमाल तो यह कि तीन पैरवी वाले लोगों में एक को पुरस्कार दिया गया है। अब ज्यूरी कितनी ईमानदार है यह सोचने वाली बात है। कहीं ऐसा तो नहीं कि लिस्ट में जितने नाम आये हैं वे सभी ज्यूरी द्वारा रेकॉमेंडेड ही हैं। कहीं ऐसा तो नहीं रेकॉमेंडेड नाम पर ही केवल विचार हुआ और जो लेखक निर्धारित समय के भीतर अपनी पुस्तक जमा किये उनकी पुस्तक पर (रिकमेंड न होने के कारण) विचार ही नहीं किया गया। लिस्ट में शामिल किस किताब को किस ज्यूरी मेंबर ने रेकॉमेंड किया क्या साहित्य अकादमी यह बतलायेगी ? प्रसिद्ध आलोचक,कवि, लेखक नवनीत पांडेय के अनुसार सवाल यह है कि अगर अकादेमी अपनी विज्ञप्ति में घोषित अंतिम तिथि में परिवर्तन नहीं करती है या बिना पब्लिक सूचना तिथि केवल निर्णायक पैनल को ही व्यक्तिश-सूचित कर तिथि बढ़ा देती है तो बात अलग है, बावजूद इसके किसी नियम में यह कहीं लिखा है कि निर्णायक मण्डल या पैनल को अंतिम तिथि के बाद प्राप्त या किसी व्यक्तिगत जानकारी,सोर्स से प्रकाशित किताब को सूची में शामिल कर, करा सकता है।

यदि इन नियमों में कोई संशोधन नहीं हुआ है, यही हैं तो इनके प्रावधानों की जानकारी के बावजूद भी अगर निर्णायक मण्डल, पैनल तिथि के बाद प्राप्त, प्रकाशित किताबों पर विचार कर उसे अंतिम सूची में शामिल कर उन्हें पुरस्कार योग्य पाती है, पुरस्कार घोषित करती है तो अवश्य ही ये प्रतिभाए अप्रतिम और विलक्षण हैं, इस में संदेह नहीं होना चाहिए।

याद दिला दूँ कि साहित्य अकादमी युवा पुरस्कार-2024 हेतु आवेदन और प्रविष्टि जमा करने की अंतिम तिथि 31 अगस्त 2023 थी। साहित्य अकादमी ने पुरस्कार की घोषणा के साथ जिन 12 लेखकों का नाम प्रकाशित किया है उनमें दो लेखकों की पुस्तक आवेदन की तिथि के बाद आयी है। पहले लेखक हैं शहादत और दूसरे विहाग वैभव। शहादत की पुस्तक कर्फ़्यू की रात लोकभारती प्रकाशन से 2024 में पब्लिश हुई यानी आवेदन की अंतिम तिथि के 5 महीने बाद और विहाग वैभव की पुस्तक राजकमल प्रकाशन से सितम्बर 2023 में प्रकाशित हुई यानी आवेदन की अंतिम तिथि के एक महीने बाद।

पाठक दोनों पुस्तक के प्रकाशन का प्रमाण गूगल में देखें। ऐसी स्थिति में साहित्य अकादमी ने इन दोनों लेखकों की पुस्तकों पर विचार कैसे किया? इन दोनों पुस्तकों का नाम अंतिम सूची में कैसे है? नियमतः तो यह अमान्य और अनैतिक है। इस विषय पर शोध करने के दौरान पाया कि पुरस्कृत लेखक की पुस्तक 30 अगस्त 2023 को प्रकाशित हुई और 31 अगस्त 2023 आवेदन की अंतिम तिथि थी। एक दिन में स्वयं लेखक महोदय पुस्तक प्रकाशक से लेकर साहित्य अकादमी के कार्यालय कैसे पहुंचा दिए? क्योंकि साहित्य अकादमी की प्रेस विज्ञप्ति में साफ-साफ लिखा है कि ÷आवेदक को पुस्तक की दो प्रतियाँ स्वयं प्रमाणित जन्म प्रमाण पत्र के साथ जमा करानी होगी।÷

साहित्य अकादमी से अनुरोध है कि इसपर ग़ौर फ़रमाया जाए और तुरन्त कारवाई करते हुए साहित्य अकादमी युवा पुरस्कार 2024 की घोषणा वापिस ली जाए। नए सिरे से पुरस्कृत युवा की नयी घोषणा की जाए। यह अन्य समर्थ युवा लेखकों के साथ ज़्यादती है। यह तो बहुत गंभीर मामला है, पारदर्शिता का दावा करने वाली अकादमी के लिए बहुत ही अपमानजनक भी, लेखकों को संज्ञान लेना चाहिए, अकादमी सचिव, अध्यक्ष से जवाब तलब करना चाहिए। सुशांत जी, आपने प्रमाण सहित जो साहित्य अकादमी की पोल खोली है उस पर सभी साहित्यकारों की दृष्टि जानी चाहिए। अब इन पुरस्कारों का कोई मूल्य नहीं रह गया। क्या इनके सदस्य भी प्रायोजित होते हैं और निर्णायक भी। कम से कम साहित्यिक पुरस्कारों को पारदर्शिता अवश्य रखनी चाहिए।उचित लेखन का मूल्यांकन करके ही पुरस्कार घोषित होने चाहिए।

बरस जा रे बादर करिया

जीवन चन्द्राकर लाल
मुण्डरा बालोद (छत्तीसगढ़)

बरस जा रे,बादर करिया*
अउ जादा झन तरसाना तै,
बने बरस जा रे बादर करिया।
तोरे परसादे हमर खेती बाड़ी हे,
झन पर जाये धरती हा परिया।
बने बरस जा रे.....
कांटा खूंटी बीन डारे हन,
चतरा डारे हन मेड़ पार ला।
धनहा मा जतेक लथरे रिहिस,
छील डारे हन जम्मो झाड़ ला।
असो घुरवा खातू पाले रेहेन,
जेला डोली मा बगराये हन।
गाँसा के जम्मो फूटे मुँही ला,
मांटी डालके बनाये हन।
संजकेरहे सोसायटी जा के,
खातू अउ बिजहा ला लाये हव।
खेती काम अउ दवई बूंटी बर,
सरकारी करजा ला उठाये हव।
बम्हरी के नवां नांगर साजे हो,
जुड़ा पंचारी नवां बनाये हव।
मोची घर ले नाहना लाके,
महि अउ तेल के घोल पियाये हव।
असकटावत हावे बैला जोड़ी हा,
असकटावत हावै जम्मो नंगरिहा।
बस तोरे रद्दा ल देखत हावन,
बोनी के रास पाग दे देते बढ़िया।
बने बरस जा रे बादर करिया...

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

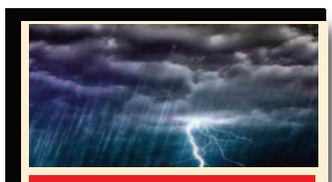

बरखा बदरिया

अशोक पटेल आशु
शिवरीनारायन (छत्तीसगढ़)

बरखा के बदरिया,
अब घड़-घड़ गरजत हे
अषाढ़ महीना के कारी
बदरिया लझरत हे।
सरर-सरर ,पुरवाई हर,
अब सर-सरावत हे
कचरा-कुटा, पतंग
कस अगास उड़ावत हे।
बिरबिट-बदरिया म,
बिजुरी लप-लपात हे
बरखा रानी हर जईसे
चुंदी ल छरियावत हे।
चमके बिजुरिया नागिन
कस कड़कड़ात हे
जीव-जनावर मन देख के
जी ल लुकात हे।
किड़कत,गरजत पानी
घलो पीट-पिटात हे
प्यासन हे धरती दाई,
बरखा ल निहरात हे।

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

बरखा रानी

मुकेश उइके मयारू
चेपा, पाली, कोरबा (छत्तीसगढ़)

बरखा रानी कब तैं आबे ।
कस के तैं पानी बरसाबे ।।
करिया करिया बादर छाबे ।
सबके तैं हा मन ला भाबे ।।
अउ तैं हा कतका तरसाबे ।
झन तैं ठगबे खच्चित आबे ।।
सबके तैं हा आस पुराबे ।
जीव-जन्तु के मन हरसाबे ।।
बरखा रानी कब तैं आबे ।
कस के तैं पानी बरसाबे ।।

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

आदिवासी ग्रामीणों की भूमि हो रही गायब

ग्रामीण कार्यालयो का लगा रहे चक्कर

आदिवासी ग्रामीण दलवीर मझवार ने तत्कालीन दोनों महिला पटवारी पर लगाया आरोप,भूमाफिया से मिलकर जमीन का रकबा कर दीया कम ...

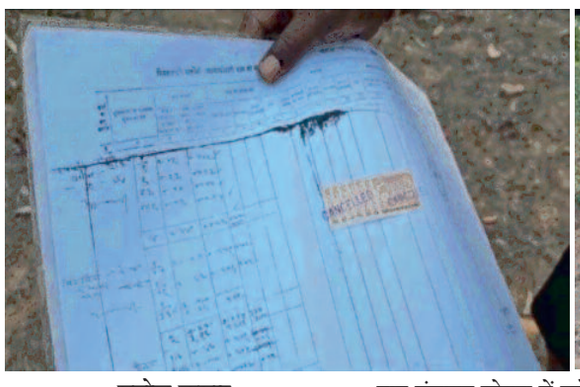

- मनोज कुमार -
लखनपुर,17 जून 2024 (घटती-घटना)।

सरगुजा जिले के लखनपुर क्षेत्र में भू माफियाओं का बोलबाला है। भोले भाले आदिवासी ग्रामीणों के हक की भूमि को भू माफिया पटवारी और अधिकारियों से मिलकर गायब कर खरीदी बिक्री कर रहे।अब आदीवासी ग्रामीण अपने हक की भूमि के लिए दफ्तरों के चक्कर लगाने के लिए मजबूर है। लखनपुर विकासखंड के ग्राम पंचायत सोयदा में बड़े पैमाने पर जमीन खरीदी की बिक्री का खेल चल रहा है। भू माफिया अधिकारियों और पटवारी से साथ साठ गांठ कर आदिवासी ग्रामीणों की भूमि और शासकीय भूमि को बिक्री कर गाड़ी कमाई कर रहे है। गाड़ी कमाई से अधिकारियों और पटवारी को हिस्सा दिया जा रहा है।सोयदा निवासी दलवीर मझवार ने सरगुजा कलेक्टर, आदिवासी थाने में शिकायत कर आरोप लगाया है की इसके खाते की उड़ान भूमि का रकबा पटवारी भू माफियाओं से मिलकर कम कर दिया गया है। जबकि 1955 -56 में बने अधिकार अभिलेख के दस्तावेजों में दर्ज दलवीर मझवार की भूमि 1 एकड़ 80 डिसमिल भूमि है। वही अब तत्कालीन दोनों महिला पटवारी के द्वारा क्रमशः अपने-अपने कार्यकाल के दौरान भूमाफियाओं से मिली भगत कर मेरी उड़ान भूमि की रकबा को घटकर और हेर फेर कर केवल 26 डिसमिल भूमि ही बचा है ।

ग्रामीण का आरोप है कि आदिवासियों के हक की भूमि को पटवारी भू माफियाओं से साथ साठ गांठ कर मोटी रकम लेकर हेराफेरी कर दे रहे हैं जबकि मामले की शिकायत अधिकारियों से की जा चुकी है इसके बावजूद अब तक न्याय नहीं मिल रहा है। यह कोई पहला मामला नहीं है जो ग्रामीण शिकायत कर रहे हैं इसके पूर्व भी कई शिकायतें हुई लेकिन जांच अब तक नहीं हुई। दरिमा एयरपोर्ट के नजदीक होने के कारण ग्राम सोयदा में बड़े पैमाने पर शासकीय और आदिवासी ग्रामीणों की भूमि की खरीदी बिक्री खेल भू माफिया कर रहे हैं। जमीन खरीदी बिक्री के खेल में भूमाफिया पटवारी और अधिकारियों को मोटी रकम दे रहे हैं।

बयान , ग्राम शोयदा के आदिवासी ग्रामीण-दलवीर मझवार सीधे आरोप लगाते हुऐ कहां की दो महिला पटवारी द्वारा अपने-अपने कार्यकाल में भू माफियाओं से मिली भगत कर मेरी उड़ान की भूमि भूमि में 1 एकड़ 80 डिसमिल के रकबा को महज 26 डिसमिल बचाया गया है जबकि उक्त दोनों पटवारी के द्वारा भू माफिया से मिली भगत कर जमीन की हेरा फेरी कर दी गई।

दो रकत नमाज अता कर समाज के लोगों ने मांगी अमन जैच की दुआ

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,17 जून 2024 (घटती-घटना)।

ईद उल अजहा बकरीद का त्यौहार सोमवार को मुस्लिम समाज द्वारा अकीदत के साथ मनाया गया। समाज के लोगों ने ईदगाह व मस्जिदों में बकरीद की दो रकत नमाज अता करने के साथ ही अमन चैन की दुआ मांगी गई। नमाज के बाद लोगों ने कब्रिस्तान में फातिहा पढने के बाद कुर्बानी की रस्म अता की। मुस्लिम समाज द्वारा बकरीद के त्यौहार को लेकर लंबे समय से तैयारियां की जा रही थी। ईद उल अजहा को लेकर ईदगाह व मस्जिदों में कमेटियों द्वारा व्यापक पैमाने पर इंतजाम किए गए थे। ईद उल अजहा की नमाज को लेकर सुबह से ही समाज के लोग ईदगाह व मस्जिदों में पहुंचने लगे थे। ईदगाह में पेश इमाम द्वारा बकरीद के बारे में जानकारी देने के साथ ही लोगों ईमान के रास्ते पर चलने आपसी भाईचारे की सीख दी। ईदगाह में सुबह 8.30 बजे बकरीद की नमाज अता की गई। इस दौरान जामा मांस्जद के पेश इमाम अबरार अहमद द्वारा ईदगाह में ईद उल अजहा की नमाज पढ़ाई गई जबकि जामा मस्जिद में 8.44 बजे हाफिज व कारी असीमुद्दीन, तकिया शरीफ में सुबह 8 बजे मौलाना मोइन व केंद्रीय जेल में सुबह 9 बजे नमाज पढ़ाई गई। वहीं शहर के रसूलपुर स्थित नाजमिया मस्जिद में सुबह 8 बजे मोहम्मद सगीर अहमद मिस्बाही द्वारा नमाज पढ़ाई गई। इसके साथ ही शहर व जिले की ईदगाह, मस्जिदों में नमाज पढ़ाई गई। नमाज के बाद समाज के लोगों ने अपने व परिवार के सुख समृद्धि के साथ ही देश में अमन चैन व भाईचारे की दुआ मांगी। ईद उल अजहा के मौके पर मुस्लिम समाज के लोगों ने एक दूसरे को गए मिलकर ईद की बधाई व शुभकामनाएं दी।

फातिया के बाद की गई कुर्बानी की रस्म अता

नमाज के बाद समाज के लोगों ने कब्रिस्तान में जाकर अपने परिवार के सदस्यों की कब्र पर फातिहा पढने के बाद कुर्बानी की रस्म अता की गई। बकरीद को लेकर जिला व पुलिस प्रशासन द्वारा भी ईदगाह व कब्रिस्तान में व्यापक इंतजाम किए गए थे। इस अवसर पर अंजुमन कमेटी के सदर इरफान सिद्दीकी, अफजाल अंसारी, शकील अंसारी, परवेज आलम गांधी, इसाउद्दीन अंसारी, सादिक हुसैन, अमीर अंसारी आदि मौजूद थे।

कुदरगढ़ मेला स्थल में लगी भीषण आग,11 दुकानें जलकर खाक

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,17 जून 2024 (घटती-घटना)।

सूरजपुर जिले के ओडगी़ विकासखण्ड अंतर्गत प्रसिद्ध धार्मिक स्थल कुदरगढ़ में बीती रात मंदिर के समीप संचालित दुकानों में अचानक आग लग गई। आग इतनी भीषण थी कि पूजा सामग्री सहित मनिहारी-खिलौनों की 11 दुकानें जलकर राख हो गई। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने बड़ी मशक्त के बाद आग पर काबू पाया। किसी प्रकार की कोई भी जनहानि की खबर नहीं है। दुकानों में आग की घटना से करीब 15 लाख का नुकसान दुकानदारों को हुआ है।

जानकारी अनुसार, बीती रात सूरजपुर जिले के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल कुदरगढ़ धाम में मेला स्थल पर अचानक भीषण आग लग गई। आग लगते ही यहां अफरातफरी का माहौल बन गया। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने बड़ी मशक्त के बाद आग पर काबू पाया। आग की इस घटना में मेला स्थल पर लगे 11 दुकान जलकर खाक हो गए है। दुकानों में बिक्री के लिए रखी पूजा सामग्री, मनिहारी, खिलौने व लाखों का सामान पूरी तरह जल गए। मौके पर 2 गैस सिलेंडर फटने की भी खबर है। साथ दुकानदारों की दो मोटरसाइकल भी जलकर खाक हो गई। मंदिर स्थल में जिले के अलग-अलग इलाकों से आकर लोग मंदिर के नीचे दुकान लगाकर अपना जीवन यापन करते है। आग लगने का कारण अज्ञात है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बनारस से आए समूहों ने की गंगा आरती, काफी संख्या में शामिल हुए श्रद्धालु

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,17 जून 2024 (घटती-घटना)।

पिछले चार वर्षों की भांति इस वर्ष भी गंगा दशहरा के दिन स्थानीय शंकरघाट में भव्य गंगा आरती का आयोजन किया गया। मान्यता के अनुसार भागीरथ की तपस्या से प्रसन्न होकर महादेव की जटाओं में विराजीं गंगा इसी दिन धरती पर उतरी थीं और भागीरथ के पूर्वजों को मोझ प्रदान किया था तब से इस दिन को गंगा दशहरा के रूप में मनाया जाता है। पूर्व में सरगुजा अंचल में यह दिन बड़े त्यौहार के रूप में मनाया जाता था तथा स्थानीय हरसागर तालाब के किनारे इस दिन विशाल मेले का आयोजन होता था कालांतर में तालाब के किनारे हुए अतिक्रमण के कारण यहां यह आयोजन बंद हो गया परन्तु श्री शंकरघाट सेवा समिति द्वारा एक बार फिर से गंगा दशहरा को सरगुजा अंचल की जीवंत परम्परा के रूप में स्थापित किया जा रहा है। श्री शंकरघाट सेवा समिति के सदस्यों ने बताया कि विगत चार वर्षों से हो रहे इस आयोजन को इस वर्ष भी भव्य तरीके से रविवार को गंगा दशहरा मनाया गया।

स्थानीय शंकरघाट पर दोपहर 12 बजे से अनवरत भंडारा किया गया। शाम को 4 बजे से भजन संध्या का कार्यक्रम हुआ। शाम को सूर्यास्त के पश्चात भव्य गंगा आरती बनारस से आए समूह द्वारा की गई। आरती के बाद यहां प्रसाद वितरण किया गया। इस दौरान सरगुजा लोकसभा के सासंद चिंतामणी महाराज, भाजपा जिलाध्यक्ष ललन प्रताप सिंह, भारत सिंह सिसोदिया, काशीनाथ तिवारी, आकाश गुप्ता, रिंकू वर्मा, गौतम विश्वकर्मा, आशा शुक्ला, स्वेता गुप्ता, अनामिका पैंकरा व आयोजनकर्ता में शंकर घाट सेवा समिति के सभी सदस्य सर्व राधे कुशवाहा, रज्जू महराज, संजीव सेठ, विनीत गुप्ता, अजीत पांडेय, निलेश तिवारी, ब्रजेश पांडेय, अमित ठाकुर, सुखलाल कुशवाहा, साक्षी सिंह, सौम्या राजवाड़े, बच्चू नारायण पाण्डेय, अवधेश पांडेय, जगदीश यादव, पुनीत राम, सच्चिदानंद, शशि भूषण सिंह, बंशीधर ठाकुर, संजय एक्का सहित समस्त कार्यकर्ता व आम जन अम्बिकापुर के सम्मानित सहयोगकर्ताओं के सहयोग से आयोजित गंगा दशहरा महोत्सव गंगा आरती में शामिल हुए।

अग्रवाल संगठन अंबिकापुर इकाई ने समाज के पिता तुल्य वरिष्ठ जनों का किया सम्मान

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,17 जून 2024 (घटती-घटना)।

छ.ग. प्रांतीय अग्रवाल संगठन महिला इकाई अम्बिकापुर के द्वारा स्थानीय श्री हरि भजनाश्रम राम मंदिर में पितृ दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। स्वागत उदबोधन अध्यक्षा मंजू गोयल ने दिया। स्वागत गीत की प्रस्तुति खुशी शर्मा ने दी। गीता शर्मा ने पिता के ऊपर भावपूर्ण कविता की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम को संबोधित कर अतिथियों ने कहा कि मौजूदा समय में बच्चों में संस्कार और शिष्टाचार की कमी सभ्य समाज के लिए चिंता का विषय है। मोबाइल जैसे संचार के साधन एक और जहां विकास की गति के लिए रोड मैप बन रहे हैं वहीं इसके दुरुपयोग से बच्चे गलत रास्तों पर भी जा रहें हैं। हमें बच्चों को मोबाइल से दूर रखते हुए, सनातन धर्म, संस्कृति , संस्कार भी देना होगा। संस्कार में कमी के कारण ही आज परिवार बिखर रहे हैं। अतिथियों ने यह भी कहा कि पिता परिवार के लिए वट वृक्ष के समान हैं, जो धूप, बारिश, गर्मी हर मौसम में परेशानी झेलते हुए बच्चों, परिवार के लिए खुशियां बांटते हैं, मनोकामना पूरी करते हैं। हमे भी माता, पिता को देव तुल्य मानते हुए सदैव आदर और सेवा करनी चाहिए। कार्यक्रम में महिलाओं द्वारा समाज के पिता तुल्य वरिष्ठ जनों को तिलक लगाया गया। प्रांतीय संगठन मंत्री सुभाष गोयल द्वारा माला पहना कर स्वागत किया गया। पिता के सम्मान में एक कविता सुनाई , साथ ही महिला सदस्य सरोज गोयल द्वारा खेल खिलाया गया और विजेता, उपविजेता को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में सभी अतिथियों को मोमेंटो भेंट किया गया। कार्यक्रम में ओमप्रकाश रेहडिया़, लखीराम गोयल, रामलाल अग्रवाल, राजकुमार अग्रवाल, करता राम गुप्ता, गरीब राम अग्रवाल, हीरालाल गर्ग , अग्रवाल सभा सचिव संजय अग्रवाल , ममता अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

50 नग प्रतिबंधित नशीले इंजेक्शन के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,17 जून 2024 (घटती-घटना)।

प्रतिबंधित नशीले इंजेक्शन के साथ गांधीनगर पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी बाइक में रखकर बेचने के लिए ग्राहक की तलाश कर रहा था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

जानकारी के अनुसार रविवार को गांधीनगर पुलिस पेट्रोलिंग पर निकली थी। जायका होटल के बगल गली में बिजली ऑफिस की ओर से बाइक क्रमांक सीजी 30 सी 4132 का चालक अपने आ रहा था। पुलिस को देखते ही युवक बाइक मोडक़र भागने लगा। पुलिस को संदेह होने पर उसे पीछा कर पकड़ा। बाइक के हैंडल में टंगे पीले रंग के झोले की तलाशी ली तो 50 नग प्रतिबंधित नशीले इंजेक्शन पाया गया। जिसे पुलिस ने जब्त किया है। जब्त इंजेक्शन की कतीत 24 हजार रुपए बताई जा रही है। वहीं पुलिस ने आरोपी निक्कू उर्फ भार्गव जायसवाल (18) निवासी रामानुजगंज हाल मुकाम मिशन चौक अंबिकापुर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त बाइक को भी जब्त किया है। वहीं आरोपी के खिलाफ धारा धारा 22 (सी) एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई कर जेल भेज दिया है। कार्रवाई में थाना प्रभारी गांधीनगर निरीक्षक प्रदीप जायसवाल , आरक्षक अतुल सिंह, मनीष सिंह, उमाशंकर साहू, बृजेश राय, ऋषभ सिंह शामिल रहे।

अपराधियों में पुलिस का डर एवं आम नागरिकों में विश्वास उत्पन्न करना प्राथमिकता : एसपी

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,17 जून 2024 (घटती-घटना)।

जिले के नवपदस्थ एसपी 2018 बैच के आईपीएस योगेश पटेल ने सोमवार को पत्रकारों से चर्चा की। इस दौरान एसपी ने कहा कि आपराधिक तत्वों में पुलिस का डर एवं आमनागरिकों में पुलिस के प्रति विश्वास उत्पन्न करना पहली प्राथमिकता है। आमनागरिकों का विश्वास हासिल करने जिले में कानून व्यवस्था को कड़ाई से पालन कराने के पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं। साथ ही विभागीय अधिकारी-कर्मचारियों को अनुशासन में रहकर अपने दायित्वों का निर्वहन करने सख्त निर्देश दिए गए हैं। फरियादियों की समस्याओं पर त्वरित विधिसंगत कार्रवाई किए जाएंगे। उस दौरान एसपी ने नवीन कानूनों के सम्बन्ध में कहा कि 1 जुलाई 2024 से नवीन कानूनों का क्रियान्वयन जिले में होना शुरू हो जाएगा, नवीन कानूनों से आमनागरिकों को लाभ प्राप्त होने की जानकारी प्रदान करने में मीडिया की महत्वपूर्ण भागीदारी है। नवीन कानूनों के क्रियान्वयन से आमनागरिकों को प्राप्त होने वाले लाभ का समुचित प्रचार-प्रसार करने सामूहिक प्रयास करने की बात कही गई। पुलिस अधीक्षक कार्यालय में सोमवार को नए कानून के बारे में जानकारी दी गई।

नवीन कानून के संबंध में जानकारी देते हुए सहायक अभियोजनक अधिकारी राजेश डुक्षसह ने बताया कि नवीन कानून के तहत ई -एफआईआर भी दर्ज कराने की प्रक्रिया है। पोर्टल में प्राप्त ऑनलाइन शिकायतों के पश्चात प्रार्थी द्वारा उक्त शिकायत के प्रमाणीकरण करने के लिए 3 दिन के अंदर हस्ताक्षर करना होगा। भारतीय कानून कों दंड व्यवस्था के पुराने प्रचलित कानून की ओर से न्याय व्यवस्था की ओर ले जाने का उद्देश्य होना बताया। आतंकवाद, मॉब लिंचिंग सहित संगठित अपराध की स्पष्ट व्याख्या हेतु से नये कानून आपराधिक प्रवृति के व्यक्तियों के लिए और सख्त होने तथा आमनागरिकों कों न्याय की ओर ले जाने वाला कानून होना बताया। सहायक अभियोजन अधिकारी अम्बिकापुर द्वारा नये कानून में कई छोटे किस्म के अपराधों में सामुदायिक सेवा का कार्य न्याय व्यवस्था में शामिल होने की बात बताई गई। ऐसे प्रकरणों में शामिल आरोपियों को न्याय व्यवस्था अनुरूप सामुदायिक सेवा के कार्य सौंपे जाएंगे। इस दौरान एएसपी अमोलक सिंह ढिल्लो, सीएसपी रोहित शाह उपस्थित थे।

भारतीय नौसेना के बेड़े में शामिल होंगी आधुनिक तकनीक वाली छह पनडुब्बियां,स्पेन में होगा परीक्षण

मेड्रिट,17 जून 2024। भारतीय नौसेना स्पेन में 'प्रोजक्ट 75 भारत (पी75आई)' के तहत अत्याधुनिक उपकरणों का परीक्षण करने जा रही है। स्पेन की एक जहाज निर्माता (शिपयार्ड) कंपनी नवंतिया के अनुसार इस परीक्षण के बाद भारतीय नौसेना छह आधुनिक पनडुब्बियों को अपने बेड़े में शामिल करेगी।

भारत सरकार के साथ अनुबंध पर होंगे हस्ताक्षर

नवंतिया के चेयरमैन रिकार्डो डोमिंगुज गार्सिया बाकुएरो का कहना है कि स्पेन की सरकार और नौसेना पी75आई को लेकर काफी उत्साहित है और हर तरह से इस प्रोजक्ट में भारत की मदद करना चाहती है। इस योजना के तहत भारत सरकार के साथ एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। नवंतिया के प्रमुख ने कहा कि जून के आखिरी सप्ताह से भारतीय नौसेना कार्टाजेना के पोत कारखाने में वायु स्वतंत्र प्रणोदन (एआईपी- Air Independent Propulsion) परीक्षण की शुरुआत करेगी।

नौसेना के बेड़े में शामिल होंगी छह पनडुब्बियां

रिकार्डो डोमिंगुज ने आगे कहा कि इस परीक्षण में उनका साथ लार्सन एंड टर्बो (एल एंड टी) कंपनी देगी। परीक्षण के दौरान भारतीय नौसेना को विश्व स्तर की एआईपी तकनीक की जानकारी दी जाएगी। आगे बताया गया कि भारतीय नौसेना एआईपी तकनीक से सुसज्जित छह पनडुब्बियों का अधिग्रहण करेगी। इस तकनीक की मदद से पनडुब्बियां लंबे समय तक पानी के भीतर रह सकती हैं। भारतीय नौसेना के पास इससे पहले एआईपी सिस्टम वाली पनडुब्बियां नहीं थीं।

करीब 60 हजार करोड़ की इस परियोजना में एल एंड टी और नवंतिया के साथ जर्मनी की थिसेनक्रुप मरीन सिस्टम्स और भारत की मझगांव डॉकयार्ड्स लिमिटेड भी शामिल हैं। नवंतिया ने भारतीय नौसेना की परियोजना के लिए एस-80 पनडुब्बी के डिजायन की पेशकश की है। इनमें से एक पनडुब्बी वर्ष 2024 में स्पेनिश नौसेना में शामिल हो चुकी है। नवंतिया ने दावा किया कि स80 की खास बात यह है कि यह बिना किसी पुनर्निमाण की आवश्यकता के पी75(आई) की तकनीक आवश्यकताओं को आसानी से पूरा करती है।

चेतावनी के बाद भी नहीं मान रहे हूती विद्रोही

दो जहाजों और अमेरिकी विध्वंसक पर किया हमला

सना,17 जून 2024। यमन के हूती ने दावा किया है उन्होंने रविवार को लाल सागर और अरब सागर में एक अमेरिकी विध्वंसक जहाज के साथ दो नागरिक जहाजों पर हमला किया है। यह गाजा में फलस्तीनियों के समर्थन में शिपिंग को बाधित करने की कोशिश है। हूती के सैन्य प्रवक्ता याह्या सारी ने कहा कि विद्रोहियों ने अमेरिकी विध्वंसक पर बैलिस्टिक मिसाइलें दागी हैं। साथ ही कैप्टन पेरिस नामक जहाज पर नौसैनिक मिसाइलें और हैप्पी कोंडोर नामक जहाज पर ड्रोन दागे हैं। हालांकि यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि मिसाइलों ने लक्ष्य हासिल किया है या नहीं। रविवार को यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस (यूकेएमटीओ) ने कहा कि यमन के अल मुखा से 40 समुद्री मील दक्षिण में एक जहाज ने पास में दो विस्फोटों की सूचना दी थी।

जहाज की पहचान बताए बिना कहा गया कि जहाज और उसके चालक दल सुरक्षित हैं और अपनी यात्रा जारी रख रहे हैं।

हज करने गए जॉर्डन के 14 तीर्थयात्रियों की भीषण गर्मी के कारण मौत,ईरान के पांच लोगों की भी गई जान

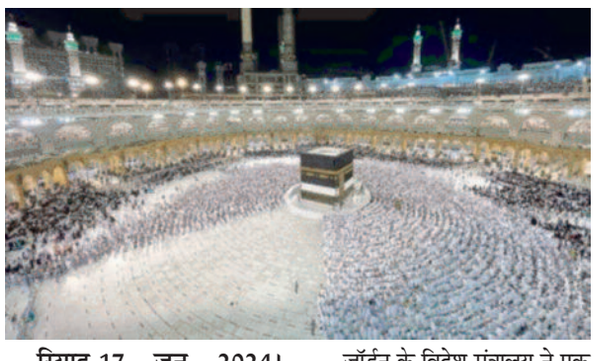

रियाद,17 जून 2024। सऊदी अरब में हज करने गए जॉर्डन के कम से कम 14 तीर्थयात्रियों की भीषण गर्मी से मौत हो गई। जॉर्डन के विदेश मंत्रालय ने इसकी पुष्टि की। उन्होंने बताया कि हज यात्रा के दौरान 17 अन्य तीर्थयात्री लापता हो गए। हालांकि, इसे लेकर मंत्रालय लगातार सऊदी अधिकारियों के संपर्क में हैं।

जॉर्डन के विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर कहा, ÷जॉर्डन के 14 तीर्थयात्रियों की मौत हो गई, जबकि हज यात्रा के दौरान 17 तीर्थयात्री लापता हो गए।÷ मीडिया के अनुसार, अत्यधिक गर्मी के कारण स्ट्रोक से पीड़ित होने के बाद नागरिकों की मौत हो गई। मंत्रालय ने कहा कि तीर्थयात्रियों को सऊदी अरब में दफनाने या फिर जॉर्डन में स्थानांतरित करने के लिए सऊदी के अधिकारियों से बातचीत जारी है।

ईरानी तीर्थयात्रियों की भी मौत

ईरान ने भी बताया कि हज यात्रा के दौरान उनके पांच तीर्थयात्रियों की मौत हो गई। हालांकि, उन्होंने मौत के कारणों की पुष्टि नहीं की। सऊदी अरब ने भी अभी तक जान गंवाने वालों को लेकर आधिकारिक बयान जारी नहीं किया। सऊदी के स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता मोहम्मद अल-अब्दुलअली ने बताया कि रविवार को 2,760 तीर्थयात्री सनस्ट्रोक और लू के शिकार हुए। उन्होंने आगे कहा कि संख्या में बढ़ोतरी होने की संभावना है। इसी के साथ उन्होंने तीर्थयात्रियों से भरी दोपहरी में नहीं निकलने की अपील की और खुद को हाइड्रेट रखने को कहा।

राष्ट्र विरोधी अभियानों को रोकने के लिए शहबाज सरकार ने दी चेतावनी,पीटीआई से प्रचार रोकने का आग्रह

इस्लामाबाद,17 जून 2024। जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) से राज्य विरोधी गतिविधियों और प्रचार को रोकने का आग्रह किया गया है। पाकिस्तान में शहबाज शरीफ की सरकार ने चेतावनी दी है कि मित्र देशों के साथ पाकिस्तान के संबंधों को नुकसान पहुंचाने के लिए सोशल मीडिया पर चलाए गए राष्ट्र विरोधी अभियानों में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कानूनी मामलों के प्रवक्ता अकील मलिक ने कहा, पाकिस्तान एक स्वतंत्र राष्ट्र है, उसे किसी अन्य राष्ट्र से आदेश लेने की जरूरत नहीं है। हम सभी राष्ट्र साथ मैत्रीपूर्ण संबंध रखना चाहते हैं। हालांकि, 2022 के अविश्वास प्रस्ताव के बाद विदेशों में पाकिस्तान के खिलाफ बदनामी अभियान चलाया गया। इसने पाकिस्तान विरोध प्रचार को बढ़ावा दिया है।

अकील मलिक ने पीटीआई को घेरा

मलिक ने आरोप लगाया कि पीटीआई ने विदेशों में पाकिस्तान विरोधी अभियान चलाने के लिए पीआर फार्म और पैरवी करने वालों को काम पर

लगाया है। उन्होंने चेतावनी दी कि मित्र देशों के साथ पाकिस्तान के संबंधों को नुकसान पहुंचाने के लिए सोशल मीडिया पर चलाए गए राष्ट्र विरोधी अभियानों में शामिल लोगों के खिलाफ उचित कदम उठाया जाएगा। कानूनी मामलों के प्रवक्ता ने पीटीआई से राज्य विरोधी गतिविधियों और प्रचार को रोकने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि देश की छवि को धूमिल करने की बजाय उन्हें इसके समाधान पर विचार करने के लिए सरकार से बात करनी चाहिए।

मलिक ने दावा किया कि सभी पाकिस्तान विरोधी कानून पीटीआई के इशारों पर बनाए जाते हैं और इस पार्टी के साथ विशेष जुड़ाव रखने वाले प्रवासी पाकिस्तानी इन कानूनों का दुरुपयोग करते हैं। बता दें कि पाकिस्तान में आठ फरवरी को हुए चुनाव को लेकर पीटीआई सवाल उठा रहा है। पार्टी ने आरोप लगाया कि मुस्लिम लीग नवाज और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी ने लोगों का जनादेश चोरी कर लिया।

कानूनी मामलों के प्रवक्ता अकील मलिक ने कहा कि कोई भी राजनीतिक पार्टी देश से बड़ा नहीं है। उन्होंने इमरान खान की पीटीआई को चेतावनी देते हुए कहा कि सरकार देश विरोधी एजेंडे की अनुमति नहीं देती है। इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

प्रशासन की सक्रियता से मैनपाट के पहाड़ी कोरवा युवकों की हुई सकुशल घर वापसी

- राजस्थान के सवाई माधोपुर के नजदीकी क्षेत्र में युवकों को बंधक बनाकर काम लिए जाने की सूचना प्राप्त होते ही सक्रिय हुआ प्रशासनिक अमला,की कार्यवाही...
- अंबिकापुर प्रवास पर पहुंचे कैबिनेट मंत्री रामविचार नेताम ने भी वापस आए युवकों से की मुलाकात,अधिकारियों को दिए जरूरी दिशा-निर्देश...

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,17 जून 2024 (घटती-घटना)।

सरगुजा जिला एवं पुलिस प्रशासन की टीम की सक्रियता से राजस्थान के सवाई माधोपुर के नजदीकी क्षेत्र में बंधक के रूप में काम कर रहे मैनपाट के चार पहाड़ी कोरवा युवाओं की सकुशल घर वापसी सोमवार को हुई। युवाओं को प्रशासनिक देखरेख में सर्किट हाउस अंबिकापुर लाया गया और निगरानी में यहां से घर भेजा गया। इस दौरान अंबिकापुर प्रवास पर पहुंचे कैबिनेट मंत्री रामविचार नेताम ने भी सर्किट हाउस में इन युवाओं से मुलाकात की और इस अवसर पर मौजूद कलेक्टर श्री विलास भोसकर एवं एसपी योगेश पटेल को इस तरह के मामलों पर नजर रखने के निर्देश दिए।

एसडीएम मैनपाट से प्राप्त जानकारी अनुसार जिले के मैनपाट क्षेत्र के मालतीपुर गांव के चार नाबालिग युवकों को ग्राम चिरगा के फिलिम नामक व्यक्ति द्वारा ज्यादा मजदूरी वेतन का लालच देकर ले जाया गया था। किंतु वहां ले जाकर उन्हें कम वेतन दिया जा रहा था। साथ ही मालिक के द्वारा गृह जिले वापस नहीं आने दिया जा रहा था। दबाव बनाकर बंधक श्रमिकों के रूप में काम कर रहे युवकों ने किसी तरह परिवार से संपर्क किया और घर वापस आने में आ रही कठिनाई से अवगत कराया। जिसपर यह मामला प्रशासन के संज्ञान में आते ही चारों युवकों के सुरक्षित घर वापसी की कार्यवाही शुरू की गई। कलेक्टर ने मामले को गंभीरता से लेते हुए ग्रामीणों को बहला फुसलाकर दूसरे राज्यों में काम करने ले जाने वाले व्यक्तियों पर कड़ी कार्रवाई के दिए निर्देश

कलेक्टर विलास भोसकर एवं पुलिस अधीक्षक योगेश पटेल के निर्देश पर जिला प्रशासन एवं पुलिस टीम ने तत्काल आवश्यक कार्यवाही की और प्रशासन की टीम के संयुक्त प्रयास से सोमवार को सभी युवक सुरक्षित अपने घर पहुंचाए गए हैं। मामले में लीगल सहायता लेते हुए प्रशासन द्वारा कार्यवाही की जा रही है।

कलेक्टर भोसकर ने जिले में इन मामलों को रोकने प्रशासनिक टीम को पुलिस की टीम के साथ अलर्ट होकर काम करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही इसे गंभीरता से लेते हुए ग्रामीणों को बहला फुसलाकर दूसरे राज्यों में काम करने के लिए ले जाने वाले व्यक्तियों पर जांच करके कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों का विरोध शुरू,आज से आनलाइन रिपोर्टिंग करेंगे बंद

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,17 जून 2024 (घटती-घटना)।

जिले के आयुष्मान आरोग्य मंदिर उप स्वास्थ्य केंद्रों में पदस्थ सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों को पिछले 15 माह से कार्य आधारित वेतन का भुगतान नहीं हुआ है। सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों को शासन द्वारा 16500 रूपये प्रतिमाह एकमुश्त वेतन तथा 15000 रूपये माह में किये गए कार्य के आधार पर कार्य आधारित वेतन (पीएलपी) प्रदान किया जाता है। परंतु सरगुजा सहित अन्य जिलों में पदस्थ सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों को कार्य आधारित वेतन का भुगतान पिछले 15 माह से नहीं हुआ है। इसका मुख्य कारण राज्य से फंड प्राप्त नहीं होना बताया जा रहा है। शासन से कई बार पत्राचार करने के बावजूद लंबित भुगतान नहीं होने के कारण छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी प्रकोष्ठ के प्रांतीय आह्वान पर 18 जून से आनलाइन रिपोर्टिंग बंद करने का निर्णय लिया गया है। वहीं पहल नहीं होने पर 21 जून से समस्त काम बंद करके अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने का निर्णय लिया गया है। जिसके संबंध में बैठक का आयोजन अंबिकापुर में किया गया। सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों द्वारा बताया गया कि छत्तीसगढ़ प्रदेश के अलावा बाकि राज्यों में 25000-35000 बेसिक तथा 15000 कार्य आधारित वेतन दिया जा रहा है। जबकि छत्तीसगढ़ में मात्र 16500 बेसिक एवं 15000 कार्य आधारित वेतन दिया जा रहा है वह भी समय पर नहीं मिलता है। बैठक में छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के प्रांतीय महामंत्री अनिल पाण्डेय, अध्यक्ष जिला शाखा सरगुजा धनेश प्रताप सिंह, संभागीय सचिव दुर्गेश त्रिपाठी, प्रांतीय पदाधिकारी ओंकार पाण्डेय, अध्यक्ष ब्लाक शाखा अंबिकापुर हेमन्त मरावी एवं सीएचओ प्रकोष्ठ के जिला संयोजक करिश्मा केरकेट्टा, उप जिला संयोजक अतुल शुक्ला, जिला सचिव वर्षा, ब्लाक संयोजक उदयपुर अस्मिता कुजुर, ब्लाक संयोजक अंबिकापुर योगिता ठाकुर, ब्लाक संयोजक लुण्ड्रा निशा कुजुर, ब्लाक संयोजक बतौली प्रतिमा दास, ब्लाक संयोजक सीतापुर सपना निराला, ब्लाक संयोजक मैनपाठ कंचन, ब्लाक संयोजक लखनपुर अनिता राजवाडे सहित अन्य सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी उपस्थित रहे ।

ये है प्रमुख मांगें

लंबित पीएलपी का मई 2024 तक का संपूर्ण भुगतान एवं आगामी माह से नियमानुसार प्रत्येक माह के 15 तारीख के भीतर भुगतान किया जाने।

महिला सीएचओएस के साथ हो रहे अमानवीय कृत्यों पर रोक लगाने के लिए गृह जिले में स्थानांतरण एवं 8 किमी के दायरे में मुख्यालय निवास लागू किया जाए। पवन कुमार वर्मा जिला संयोजक सीएचओ प्रकोष्ठ कांकेर का जिला कार्यालय द्वारा गलत तरीके से भ्रामक जानकारी प्रदाय कर किए गए सेवा समाप्ति आदेश को तुरंत रद्द कर सेवा में बहाली एवं दोषियों के ऊपर कार्रवाई किया जाए।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया ईद उल अजहा बकरीद का पर्व

- संवाददाता -
लखनपुर,17 जून 2024 (घटती-घटना)।

लखनपुर नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में सोमवार को हर्षोल्लास के साथ ईद उल अजहा बकरीद का पर्व मनाया गया। सुबह 8 बजे लखनपुर नगर पंचायत के वार्ड क्रमांक 6 स्थित ईदगाह में ईद उल अजहा की नमाज अदा कर और देश में अमन चैन के लिए दुआए मांगी गई। बड़ी संख्या मुस्लिम समुदाय के बूढ़े बच्चे और जवान नमाज अदा करने ईदगाह पहुंचे थे। हाफिज महताब आलम ने उपस्थित मुस्लिम समुदाय के लोगों को ईद अल-अजहा बकरीद पर्व में कुर्बानी को लेकर विस्तृत जानकारी दी गई। सलातो सलाम के बाद मुस्लिम समुदाय के लोगों ने दूसरे को गले लगा कर ईद उल अजहा बकरीद पर्व की मुबारकबाद दी नमाज़ अदा करने के बाद परंपरा अनुसार घर में बकरे की कुर्बानी दी गई। इस्लाम धर्म के अनुसार प्रमुख त्योहारों में से एक ईद उल अजहा बकरीद का पर्व खास होता है। ईद उल अजहा बकरीद के अवसर पर कुर्बानी देने का रिवाज लंबे समय से चल रहा है।

CMYK

छुट्टी के दिन ना तो कोई टेस्ट होता है ना सीटी स्कैन नासोनोग्राफी मरीज को भागना पड़ता है निजी संस्थाओं के पास या फिर अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज

क्या जिला चिकित्सालय अवकाश दिवस एवं रात के समय में पूरी तरह बन जाता है रेफर सेंटर ?

क्या जिला चिकित्सालय में स्वास्थ्य सुविधा अवकाश दिवस और रात्रिकालीन समय में नहीं मिलेगी पूरी तरह कभी मरीजों को ?

गंभीर स्थिति वाले मरीजों को जाना पड़ता है निजी अस्पताल की शरण में,या फिर गंवानी पड़ जाती है जान

आए दिन मरीजों को जिला चिकित्सालय कर रहा रेफर,रेफर सेंटर है जिला चिकित्सालय खुद कहने लगे हैं जिले के लोग...

क्या स्वास्थ्य सुविधा 24 घंटे नहीं मिलनी चाहिए...पुलिस सुविधा बिना छुट्टी के और स्वास्थ्य सुविधा में छुट्टी जो जीवन से जुड़ा हुआ है ?

-रवि सिंह-
कोरिया,17 जून 2024
(घटती-घटना)।

कोरिया जिले का जिला चिकित्सालय केवल रेफर सेंटर बनकर रह गया है यह कहना गलत नहीं होगा क्योंकि अब ऐसा लोग भी कहने लगे हैं। जिला चिकित्सालय में गंभीर स्थिति में यदि कोई मरीज आता है और यदि मामला दुर्घटना से जुड़ा होता है तो प्रायः देखा जाता है की उसे रेफर ही कर दिया जाता है वहीं गभीर किसी बीमारी के मामले में ही ऐसा ही देखा जाता है। यह स्थिति और तब ज्यादा नजर आती है जब या तो मरीज रात्रिकालीन समय में पहुंचता है या फिर वह अवकाश दिवस पहुंचता है। अस्पताल में इलाज प्रारंभिक उसका शुरू

किया तो जाता है लेकिन इसी बीच मरीज के परिजन को यह भी समझा दिया जाता है की रेफर के लिए तैयार रहें।बता दें की ऐसा इसलिए ज्यादा देखने को मिलता है छुट्टी के दिनों में और रात्रिकालीन समय में क्योंकि ऐसे समय में केवल डॉक्टर अस्पताल में मौजूद रहते हैं एक दो वह भी एमरजेंसी वाले वहीं अन्य सुविधा जिसमे जांच सुविधा मशीन जांच सुविधा का जिम्मा सम्हालने वाले प्रशिक्षित कर्मचारी सम्मिलित होते हैं वह इस समय उपस्थित नहीं रहते जिस कारण से डॉक्टर भी मरीज को रेफर ही करने में विश्वास रखते हैं।

बता दें की जांच करने वाले और मशीन ऑपरेटर विशेषज्ञ अवकाश दिवस और रात्रिकालीन समय में उपस्थित नहीं रहते और जिस वजह से डॉक्टर भी मरीज की स्थिति भांप नहीं पाते और उन्हे मजबूरी में भी मरीज को रेफर करना पड़ता है। बैकुंठपुर के जिला चिकित्सालय में तो यह प्रायः घटने वाली घटना है और यह देखा जाता है की अवकाश का दिन हो या रात का समय दुर्घटना मामले में सिटी स्कैन की सुविधा मरीज को नहीं मिल पाती वहीं अन्य जांच सुविधा भी मरीज को नहीं मिल पाती इसलिए मरीज के परिजनों को रेफर के लिए तैयार रहना पड़ता है और इस दौरान कई बार मरीज सुविधायुक्त अस्पताल पहुंचकर बच भी जाते हैं और कई बार कइयों को जान से भी हांथ धोना पड़ जाता है। रेफर वाले मरीजों को सुविधा भी निजी अस्पतालों में मिल पाती है और इस तरह शासकीय अस्पतालों के औचित्य पर ही सवाल खड़ा हो जाता है।

स्वास्थ्य विभाग में जारी भ्रष्टाचार को लेकर भी स्वास्थ्य विभाग गंभीर नहीं

प्रदेश का स्वास्थ्य विभाग केवल अब खराब छवि कोई प्रकाशित न करे इस हिसाब से काम कर रही है। अपनी कमियां विभाग की सुधारने की बजाए स्वास्थ्य विभाग उन पर पर्दा ही पड़ा रहे यह चाहता है। स्वास्थ्य विभाग के पूर्व के भ्रष्टाचार वर्तमान में जारी भ्रष्टाचार को लेकर भी स्वास्थ्य विभाग कोई कार्यवाही करेगा लगता नहीं है। कुल मिलाकर देखा जाए तो प्रदेश का स्वास्थ्य विभाग एक मात्र रास्ता अख्तियार कर चुका है और वह यह है की कुछ भी हो जाए व्यवस्था में सुधार का वह पक्षधर नहीं वह पक्षधर है तो पर्दा डालकर कमियों को छिपाने के मामले में और वही वह कर रहा है।

छुट्टी के दिन यदि दुर्घटना का कोई मामला जिला अस्पताल पहुंच जाता है तो रेफर के अलावा कोई विकल्प नहीं

शासकीय अस्पतालों में छुट्टी के दिन यदि कोई गंभीर मामला या कोई दुर्घटना मामला पहुंच जाता है तब देखा जाता है की रेफर के अलावा कुछ नहीं करते शासकीय अस्पताल के डॉक्टर जिसमे जिला चिकित्सालयों का भी यही हाल है। छुट्टी के दिन अस्पताल का अमला जिसमे शासकीय अस्पताल में पदस्थ डॉक्टर को यदि छोड़ दिया जाए जो एमरजेंसी ड्यूटी करता है तो अन्य सुविधा प्रदाता अवकाश पर रहते हैं और यही हाल रात्रिकाल में भी होता है और छुट्टी के दिन या रात में कोई गंभीर मरीज जिसमे दुर्घटना से जुड़ा कोई मामला यदि अस्पताल पहुंचता है तो यह देखा जाता है की उसे जिला चिकित्सालय से भी अन्यत्र रेफर करना पड़ता है क्योंकि ऐसी स्थिति में जांच और मशीन का उपयोग कर मरीज की तत्कालीन स्वास्थ्य की जानकारी जुटाने का जिम्मा सम्हालने वाले अवकाश पर होते हैं या दिन का काम खत्म कर रात में घर में आराम कर रहे होते हैं और फिर अकेले डॉक्टर करे तो करे क्या वह भी रेफर कर अपनी जिम्मेदारी से या तो बच निकलता है या फिर वह रेफर करना ही उसकी मजबूरी होती है।

छुट्टी के दिन ना तो कोई टेस्ट होता है ना सीटी स्कैन ना ही सोनोग्राफी,मरीज को भागना पड़ता है निजी संस्थाओं के पास

छुट्टी के दिन और रात के समय जिला चिकित्सालय में न तो सिटी स्कैन की सुविधा मिलती है न ही सोनोग्राफी की न ही किसी जांच की, दुर्घटना जैसे मामले अवकाश दिवस न सामने आएं ऐसा भी संभव नहीं है ऐसे में मरीजों को लेकर उनके परिजनों को निजी अस्पतालों का ही रुख करना पड़ता है और शासकीय अस्पताल औचित्यहीन साबित हो जाते हैं। अब इस समस्या को लेकर कोई आवाज नहीं उठा सकेगा यह भी स्पष्ट कर दिया स्वास्थ्य विभाग ने। स्वास्थ्य विभाग का हालिया जारी आदेश बताता है की स्वास्थ्य विभाग खासकर शासकीय अस्पताल को लेकर स्वास्थ्य विभाग कोई कमी दिखाए जाने पर रजामंद नहीं है और इसलिए वह अब प्रतिबंध लगाकर स्वास्थ्य विभाग की छवि बेहतर साबित करने का प्रयास करेगा।

क्या स्वास्थ्य सुविधा 24 घंटे नहीं मिलनी चाहिए...पुलिस सुविधा बिना छुट्टी के और स्वास्थ्य सुविधा में छुट्टी जो जीवन से जुड़ा हुआ विषय है ?

स्वास्थ्य विभाग के अवर मुख्य सचिव ने एक आदेश जारी कर यह तो स्पष्ट कर दिया की अब स्वास्थ्य विभाग की कमियां कोई उजागर नहीं करेगा लेकिन उन्होंने इसी तरह यह आदेश जारी नहीं किया की प्रदेश के लोगों को 24 घण्टे बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मिल सके इसको लेकर भी शासकीय अस्पताल प्रयास करें या ऐसे जारी आदेश का पालन करें। जब पुलिस की सुविधा कानून व्यवस्था की दृष्टि से 24 घंटे की है आम लोगों के लिए तो स्वास्थ्य मामले में ऐसा क्यों नहीं है। अक्सर यह बात सामने आ रही है की केवल शासकीय अस्पतालों में एक दो एमरजेंसी डॉक्टर बैठाकर यह साबित किया जा रहा है की शासकीय अस्पताल 24 घंटे सेवा प्रदान कर रहे हैं जबकि केवल डॉक्टर के भरोसे ही हर इलाज संभव नहीं होना है और पूरा स्वास्थ्य अमला जब तक 24घंटे उपलब्ध नहीं रहेगा अस्पतालों में किसी भी आपात स्थिति में मरीज को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मिलना नामुमकिन है। इसलिए जरूरी है की 24 घंटे सुविधा उपलब्ध हो अस्पतालों में शासकीय इसलिए यह प्रयास किए जाने चाहिए निर्देश जारी किए जाने चाहिए की हर तरह की सुविधा के साथ अस्पताल तैयार रहें केवल डॉक्टरों के भरोसे ही न रहे अस्पताल जांच और अन्य आवश्यक जरूरी सेवा देने वाले भी उपलब्ध रहें हर पल तभी सम्भव हो सकेगा 24 घंटे का इलाज।

क्या कमियों को छिपाने का अच्छा बहाना ढूंढ लिया छत्तीसगढ़ स्वास्थ्य विभाग ने...अब कमियां दिखाना निजता का उलंघन ?

छत्तीसगढ़ प्रदेश का स्वास्थ्य विभाग काफी सुर्खियों में है, वह भी तबसे जबसे स्वास्थ्य विभाग को लेकर मंत्री जी के बड़े बड़े दावे केवल दावे साबित हो रहे हैं और वहीं प्रदेश की शासकीय स्वास्थ्य व्यवस्था जहां वेंटीलेटर पर पहुंचती जा रही है। बता दें की प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री के बड़े बड़े दावे जब स्वास्थ्य मामले में खोखले साबित हो गए और जब स्वास्थ्य व्यवस्था पटरी पर ला पाना मुश्किल नजर आने लगा स्वास्थ्य विभाग को तब अब प्रदेश का स्वास्थ्य विभाग नई तरकीब के साथ आगे आता नजर आ रहा है जिसमे अब प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था को और उसकी कमियों को दिखाना प्रतिबंधित होगा और जिसका निर्देश जारी कर दिया गया है? बता दें की सरगुजा में शासकीय स्वास्थ्य सुविधा की पोल खोलती एक वीडियो सोशल मीडिया पर जारी कर दी गई थी और जिसको लेकर प्रदेश के स्वास्थ्य व्यवस्था मामले में स्वास्थ्य विभाग की काफी फजीहत हुई थी और जिसको लेकर कार्यवाहियां भी की गई थीं लेकिन जब कार्यवाहियों के बाद भी स्वास्थ्य विभाग की कमियां दूर होंगी यह विश्वास खुद स्वास्थ्य विभाग के ही जिम्मेदार अधिकारियों को नही रह गया उन्होंने कमियां छिपाने का नया तरीका ढूंढ निकाला। स्वास्थ्य विभाग ने आदेश जारी कर सभी शासकीय अस्पतालों मेडिकल कॉलेजों को यह निर्देशित कर दिया है की कोई भी इलाज संदर्भित विडियो और फोटो सोशल मीडिया पर प्रसारित न हो। स्वास्थ्य विभाग के अवर मुख्य सचिव का आदेश यह तो बताता है की कैसे कमियां छिपाई जाएं और फोटो विडियो न खींचने के आदेश का कैसे पालन किया जाए कैसे अब शासकीय अस्पतालों को दुनिया का अजूबा साबित कर फोटो विडियो से दूर रखा जाए वहीं कैसे स्वास्थ्य सुविधा बेहतर हो इसको लेकर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को कोई फिक्र या कोई चिंता है यह या इस बात का आदेश में कोई उल्लेख नहीं है। जारी आदेश में भले ही माननीय उच्च न्यायालय के द्वारा पारित एक आदेश का उल्लेख है जो निजता हनन का विषय है उल्लेखित हो लेकिन उसमे क्या यह भी लिखा है की अपनी कमियां छिपाने कोई जिम्मेदार विभाग लोगों के स्वास्थ्य की जिम्मेदारी सम्हालने वाला विभाग अपनी जिम्मेदारी निभाने की बजाए केवल उस पर पर्दा डालकर उसकी कमियां ही छिपाने प्रयासरत रहेगा? प्रदेश में आए दिन स्वास्थ्य व्यवस्था की पोल खोलती तस्वीरें साथ ही समाचार प्रकाशित होते रहते हैं, कई बार खुद नेताओं की भी स्वीकारोक्ति सामने आई है की कैसे शासकीय अस्पताल या तो रेफर सेंटर बनकर रह गए हैं या फिर जहां इलाज के आभाव में लोग परेशान हो रहे हैं या दम तोड दे रहे हैं। अब स्वास्थ्य विभाग आने वाले समय में स्वास्थ्य व्यवस्था की पोल कोई खोल सकेगा इस बात से तो निश्चिंत रहेगा लेकिन वह कैसे सुधार लायेगा व्यवस्था में वह बताना नहीं चाहता। न उपलब्ध मशीनें काम कर रही हैं अस्पतालों की न ही विशेषज्ञ चिकित्सक ही हर जगह मौजूद हैं जो इलाज कर जान बचा लें प्रदेश के जरूरत मंद लोगों की। विभाग में कुछ देखने सुनने को है तो वह है केवल खरीदी निर्माण और इलाज के नाम पर राशि बंदरबाट की।

2085 शासकीय स्कूलों में चलाया गया शाला स्वच्छता अभियान

जनप्रतिनिधि,स्कूली शिक्षक,विद्यार्थियों के पालक,आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व ग्राम वासियों ने श्रमदान में दिया अपना सहयोग

-संवाददाता-
सूरजपुर,17 जून 2024
(घटती-घटना)।

शाला प्रवेश उत्सव के पूर्व जिला प्रशासन की अभिनव पहल पर आज जिले के सभी विकासखंड के शासकीय प्राथमिक, माध्यमिक, हाई व हायर सेकेंडरी स्कूलों में शाला स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। जिले के सभी 2085 स्कूलों में श्रमदान के माध्यम से इस कार्यक्रम का संपादन किया गया। शाला स्वच्छता अभियान में क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, स्कूली शिक्षक, विद्यार्थियों के पालक, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, स्व सहायता समूह की दीदियों, ग्रामवासी व अन्य के द्वारा स्वप्रेरणा से श्रमदान का कार्य किया गया।

इसी के तहत आज शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला रुनियाडीह में कलेक्टर श्री रोहित व्यास व अन्य ने श्रमदान कर शाला को स्वच्छ बनाने का कार्य किया। विद्यालय

परिसर के अंदर कचरों का पृथक्करण किया गया, जिसमें पेड़ एवं पौधों से गिरे सूखे पत्तों को अलग से एकत्र कर उसे नापेड मे डाला गया ताकि उससे निर्मित खाद का उपयोग परिसर के पौधों में खाद के रूप मे किया जा सके। विद्यालय के छत की सफाई भी कि गई ताकि बरसाती पानी का ठहराव छत में ना हो।इसके साथ ही सभी के सहयोग से स्कूल के प्रत्येक कक्ष की सफ़ाई की गई। इस दौरान कलेक्टर एवं उपस्थित जनप्रतिनिधियों के द्वारा स्कूल परिसर में पौधारोपण भी किया गया व उपस्थित जनों को स्वच्छता शपथ भी दिलाई गई। इस अवसर पर यहां श्रीमती गीता जयसवाल (जिला पंचायत सदस्य), श्री सत्यनारायण जायसवाल, श्री सीमांचल त्रिपाठी व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। जिला पंचायत सीईओ श्री कमलेश नंदिनी साहू द्वारा बतरा के शासकीय विद्यालय में शाला स्वच्छता अभियान में श्रमदान के माध्यम से योगदान दिया गया, वहीं सभी शिक्षकों, अधिकारी एवं कर्मचारियों की संकुलवार ड्यूटी लगाई गई थी जहां उन्होंने श्रमदान के माध्यम से स्कूलों को स्वच्छ बनाने हेतु अपना बहुमूल्य योगदान दिया।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर विधायक रेणुका के साथ योग करेंगे जिलेवासी

-संवाददाता-
मनेन्द्रगढ़,17 जून 2024
(घटती-घटना)।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर 21 जून को देश विदेश के साथ ही छत्तीसगढ़ के सभी जिलों में विशेष कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर 21 जून को जिला मुख्यालय मनेन्द्रगढ़ में पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री व भरतपुर सोनहत विधायक रेणुका सिंह जिला स्तरीय योग दिवस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि होंगी। विधायक रेणुका सिंह के साथ जिले के जनप्रतिनिधि, अफसर व जिले वासी योग करते हुए नजर आएंगे। योग दिवस कार्यक्रम के मद्देनजर जिला प्रशासन तैयारियों में जुटा है। विधायक रेणुका सिंह ने

जिलेवासियों से 21 जून के दिन के साथ ही रोजाना योग को अपने दिनचर्या में अपनाने की अपील की है। विधायक रेणुका सिंह ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने योग दिवस की शुरुआत की है। हमारा उद्देश्य योग को बढ़ावा देना है। यह तब होगा जब घर घर योग की अलख जगे। तभी हमारा जीवन स्वस्थ और बेहतर बनेगा। उन्होंने कहा कि इस दफा योग दिवस में महिला सशक्तिकरण जोड़ा गया है इसके पीछे उद्देश्य है कि मातृशक्ति की इसमें भागेदारी बढ़े क्योंकि महिला योग सीखेगी और स्वस्थ्य रहेंगी तो हमारा परिवार बढ़िया चलेगा, परिवार में बच्चे योग अपनाएंगे और संस्कारित भी होंगे। उन्होंने योग दिवस पर सभी से शामिल होने की अपील करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हमारी परंपरा को पूरी दुनिया में पुर्नस्थापित किया है। हमारे शारीरिक और मानसिक उत्थान के लिए योग विज्ञान अपनाए। 21 जून को योग दिवस पर सभी लोग नियमित योगाभ्यास का संकल्प ले।

बलौदा बाजार जिले में जैतखाम के अपमान व तोड़फोड़ मामले को लेकर आज जिला कांग्रेस कमेटी करेगी धरना प्रदर्शन

-संवाददाता-
कोरबा,17 जून 2024
(घटती-घटना)।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार जिला कांग्रेस कमेटी कोरबा शहर एवं ग्रामीण के तत्वाधान में दिनांक 18 जून 2024, दिन मंगलवार को संध्या 04.00 बजे से सुभाष चौक निहारिका के पास धरना-प्रदर्शन आंदोलन किया जावेगा। उक्त जानकारी देते हुए जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष द्वय सुरेन्द्र प्रताप जायसवाल एवं श्रीमती सपना चौहान ने बताया कि बलौदा बाजार जिले के ग्राम महकोनी में जैतखाम के अपमान व तोड़फोड़ मामले को लेकर तथा प्रदेश में जब से भाजपा सरकार बनी हुई है तब से आये दिन

आगजनी एवं हिंसक घटनाएं बढी है, जिसके विरोध में उक्त आंदोलन किया जा रहा है। उन्होंने आगे बताया कि जिला मुख्यालय में 18 जून को प्रदेश भर में उक्त आंदोलन किया जावेगा। सभी जिलों में प्रभारी बनाकर जिम्मेदारी दी गई है। कोरबा जिले के लिए सांसद श्रीमती ज्योत्सना महंत के साथ हरीश परसाई को प्रभारी बनाया गया है।

प्रतापपुर में आंधी ने मचाई तबाही,कई पेड़ हुए धराशाई

-संवाददाता-
सूरजपुर,17 जून 2024
(घटती-घटना)।

प्रतापपुर क्षेत्र में तेज आधी तूफान ने तबाही मचा दिया जिसके कई विशालकाय वृक्ष धराशाई हो गए वही कई घरों के छप्पर उड़ गए और दुकानों के सामने रखे उड़ कर सड़क पर आ गए। प्रतापपुर नगर सहित ग्रामीण क्षेत्र में लगभग 200 किलोमीटर प्रति घंटे के से भी ज्यादा रफ्तार में तेज आंधी तूफान के साथ में लगातार 2 घंटा के बारिश पूरी तरह जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया। पहली बार लोगों ने इतना भयंकर तूफान देखकर अपने-अपने प्रतिष्ठानों को बंद रखा वही नगर के राजघराना मोबाइल शोरूम के एसीपी बोर्ड और छज्जे दीवाल हवा में ध्वस्त हो गए तथा काराकट सहित करीब पचास हजार का नुकसान हुआ, तथा बस स्टैंड के धर्मेंद्र पान दुकान के ऊपर में पेड़ गिर जाने के कारण पान गुमटी ध्वस्त हो गई वही नगर के प्रतापपुर अंबिकापुर, खोरमा बनारस रोड, प्रतापपुर से बलरामपुर रामानुजगंज रोड के चारों ओर भारी बड़े-बड़े वर्षों के गिर जाने से कई घंटा यातायात बाधित है जो अभी तक सुचारू नहीं हो सका है इसके बावजूद ग्रामीण क्षेत्र के सैकड़ो घरों मकान को अपना निशाना बनाते हुए तेज आंधी तूफान ने भैंस मुंडा, केवरा, घाट पेंडारी, सरहरी, खजरी, बैकोना, रामगावा ,शिवपुर, खुरमा , आमंदोन, सहित कई ग्राम पंचायत में लोगों के घरों पर पेड़ पौधे गिर गए बिजली के खंभ टूट गए, तथा लोगों के घर मकान ध्वस्त होते हुए खपड़ा कंडी गिर गए,तथा भारी आंधी तूफान के कारण जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया, वही चारों ओर यातायात प्रभावित हुआ है। तथा लोगों की घरों को भी भारी नुकसान का सामना करना पड़ा।।

आंधी तूफान का कर इस तरह से था कि प्रतापपुर नगर के व्यवसाईयों का सामान सड़क पर उड़ते हुए दिखाई पड़ रहा है। लोग कुछ समझ पाए इतनी भयंकर स्थिति बन गई थी कि कई जगह लोगों के घरों को तो नुकसान हुआ है। वही इस आंधी तूफान के वजह से बिजली व्यवस्था पूरी तरह से ठप हो गई है। फिलहाल लड़ाई पटवारी के माध्यम से नुकसान हुए लोगों का भरपाई के लिए लोगों के शिकायत के आधार पर मुआवजा प्राप्त होगी। इस विषय में एसडीएम ललिता भगत ने कहा कि जहां-जहां नुकसान हुई है शिकायत के आधार पर क्षतिपूर्ति हेतु आवेदन प्राप्त के हिसाब से मुआवजा तत्काल बनाई जाएगी तथा मौके पर आर आई पटवारी को भेज कर मुआवजा हेतु प्रकरण बनाई जाएगी।

CMYK

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की घोषणा पर अमल होना लगभग तय

पटना बन सकता है नगर पंचायत

ग्रामवासियों की मांग पर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने की थी घोषणा,राजपत्र भी हो चुका था प्रकाशित

नगर पंचायत न बनाए जाने के विरोध में कुछ लोग गए थे उच्च न्यायालय की शरण में इसलिए रुक गई थी प्रक्रिया

नगर पंचायत के विरोध में उच्च न्यायालय की शरण में गए लोग नहीं रख पाए अपना पक्ष खारिज हुआ मामला

-रवि सिंह-
कोरिया,17 जून 2024 (घटती-घटना)।

कोरिया जिले के ग्राम पंचायत पटना का नगर पंचायत बनना अब लगभग तय है और कांग्रेस के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की घोषणा पर अमल होना भी लगभग तय है क्योंकि उन्होंने ही ग्रामवासियों की मांग पर पटना एक कार्यक्रम में पहुंचने पर मंच से इसकी घोषणा की थी और जिसको लेकर राजपत्र का भी प्रकाशन हो चुका था। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पटना के साथ ही एमसीबी जिले के ग्राम जनकपुर को भी नगर पंचायत बनाने की घोषणा की थी और वहां उन्होंने सरकार रहते हुए ही घोषणा पर अमल कर लिया था वहीं पटना के मामले में कुछ लोग जिसमे आदिवासी समुदाय के लोग शामिल थे जैसा बताया जा रहा है के द्वारा उच्च न्यायालय में

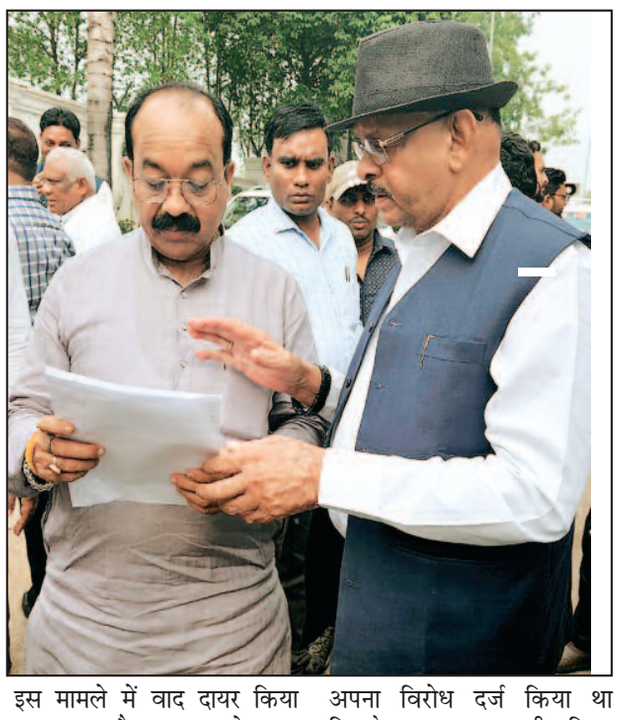

इस मामले में वाद दायर किया गया था और पटना को नगर पंचायत न बनाए जाने को लेकर अपना विरोध दर्ज किया था जिसके कारण तब इसकी प्रकिया रुक गई थी जो अब पुनः प्रारंभ होती नजर आने वाली है क्योंकि बताया जा रहा है की उच्च न्यायालय से उन लोगों का वाद खारिज हो गया है जिन्होंने पटना नगर पंचायत के विरोध में वाद दायर किए थे। वैसे पूर्व की कांग्रेस सरकार के ही कार्यकाल में पटना एक तरह से नगर पंचायत घोषित हो चुका था और केवल कार्यालय खुलना और नगर पंचायत अनुसार ग्राम की सरकार का संचालन शेष बचा था जो अब संभव होगा ऐसा लगने लगा है। पूर्व बैकुंठपुर विधायक का तो नगर पंचायत गठन को लेकर पटना ग्राम में स्वागत सम्मान भी हो चुका था और जिस कार्यक्रम में भाजपा नेताओं ने भी पूर्व विधायक और पूर्व मुख्यमंत्री की तारीफ में कसीदे पढ़े थे और उपस्थित होकर मंच पर बैठकर कांग्रेस की पूर्व विधायक के साथ नगर पंचायत के गठन की प्रक्रिया आरंभ होने के अवसर पर मुंह मीठा किया था।

अक्टूबर 2023 में नगर पंचायत गठन के लिए आवश्यक कार्यवाही हो चुकी थी पूर्ण,तत्कालीन विधायक का भी हुआ था सम्मान

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की घोषणा अनुरूप वर्ष 2023 के अक्टूबर माह तक पटना ग्राम को नगर पंचायत का दर्जा मिल सके इसके लिए सभी आवश्यक कार्यवाहियां पूर्ण कर ली गई थीं। तत्कालीन मुख्यमंत्री की घोषणा पर अमल हो सके और वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव में घोषणा का फायदा मिल सके इसलिए तेज गति से कार्यवाहियां आवश्यक पूर्ण की गई जिससे चुनाव आचार संहिता पूर्व नगर पंचायत का दर्जा पटना को मिल सके। कार्यवाहियों को लेकर पूर्णता प्रक्रिया जारी ही थी की तब ग्राम पटना को नगर पंचायत न बनाए जाने को लेकर आदिवासी समुदाय के कुछ लोगों ने उच्च न्यायालय में याचिका दायर की और जिसके बाद प्रक्रिया रुक गई। बताया जाता है की यदि याचिका दायर नहीं होती पटना के नगर पंचायत के रूप में कार्यकाल का यह दूसरा वर्ष होता। वर्ष 2023 के अक्टूबर माह में ही पटना में तत्कालीन विधायक का स्वागत सम्मान कार्यक्रम भी आयोजित किया गया था जो नगर पंचायत की घोषणा की वजह से ही किया गया था जो धन्यवाद स्वरूप आयोजित स्वागत सम्मान कार्यक्रम था। स्वागत सम्मान कार्यक्रम अक्टूबर माह वर्ष 2023 के 9 तारीख को किया गया था और तब ग्राम के ही व्यापारियों सहित कांग्रेस एवम भाजपा नेता कार्यक्रम में उपस्थित होकर तत्कालीन विधायक का स्वागत करते नजर आए थे। वहीं तत्कालीन विधायक ने स्वागत सम्मान कार्यक्रम में पटना को उसी दिन 9 अक्टूबर 2023 को ही नगर पंचायत कहकर संबोधित कर दिया गया था।

बैकुंठपुर के भाजपा विधायक पटना को नगर पंचायत बनाए जाने के लिए पुनः प्रयास किया शुरू...

बता दें की हाल ही में अब फिर यह बताया जा रहा है की बैकुंठपुर के भाजपा विधायक पटना को नगर पंचायत बनाए जाने के लिए पुनः प्रयास जारी कर रहे हैं और जिसके लिए उन्होंने नगरीय प्रशासन मंत्री साथ ही उप मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ शासन को मांग पत्र सौंपा है और जिसमे नगरीय प्रशासन मंत्री की तरफ से आश्वासन मिलने की बात बताई जा रही है। वहीं नगर पंचायत गठन को लेकर जो बात सामने आ रही है वह यह आ रही है की नगर पंचायत का गठन अब संभव हो चुका है क्योंकि उच्च न्यायालय में दायर याचिकाएं खारिज हो चुकीं हैं जो इसके विरुद्ध लगाई गईं थीं और याचिका खारिज होते ही अब नगर पंचायत का गठन तय है और अब इसीलिए इस मामले में वर्तमान भाजपा नेता और विधायक श्रेय लेना चाहते हैं जबकि घोषणा और उस घोषणा पर अमल पूर्व की कांग्रेस सरकार के ही कार्यकाल में आरंभ हो चुका था और केवल एक याचिका जो न्यायालय में दायर किया गया था की वजह से नगर पंचायत का गठन रुक गया था यह कांग्रेस नेताओं का कहना है। कुल मिलाकर अब नगर पंचायत पटना के गठन को लेकर श्रेय की राजनीति देखी जा रही है जिसमे कौन बाजी मार ले जायेगा यह देखने वाली बात होगी वहीं नगर पंचायत के रूप में किस दिन कार्यालय खुल पाता है यह भी देखने वाली बात होगी।

भेंट मुलाकात कार्यक्रम में पटना पहुंचे पूर्व मुख्यमंत्री ने 3 जुलाई वर्ष 2022 में पटना को नगर पंचायत बनाने की घोषणा की थी

पटना ग्राम को नगर पंचायत बनाने की मांग वर्षों पुरानी थी। भाजपा शासनकाल में भी कई बार जब भाजपा 15 वर्ष तक लगातार सत्ता में रही तब यह प्रयास भाजपा नेता करते रहे लेकिन तब भाजपा की सरकार ने पटना को नगर पंचायत बनाने से इंकार कर दिया। सत्ता परिवर्तन उपरांत पटना को नगर पंचायत बनाए जाने का मामला कांग्रेस नेताओं के पास पहुंचा और इस मामले में कांग्रेस नेताओं ने काफी तत्परता दिखाई साथ ही मुख्यमंत्री से इस विषय पर निर्णय लेने की मांग की जिसपर मुख्यमंत्री सहमत हुए और उन्होंने घोषणा कर दी। बता दें की 3 जुलाई वर्ष 2022 के दिन भेंट मुलाकात के दौरान जब पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पटना पहुंचे तब उन्होंने पटना के लोगों की मांग पर पटना को नगर पंचायत का दर्जा मंच से ही प्रदान करने का निर्णय लिया और घोषणा कर दी।मुख्यमंत्री की घोषणा के बाद मामले में कार्यवाही भी तत्काल आरंभ हो गई थी। पटना पहुंचे पूर्व मुख्यमंत्री ने 3 जुलाई 2022 को पटना को तीन प्रमुख सौगातें प्रदान की गईं थीं जिसमे पटना को आत्मानंद विद्यालय की सौगात पटना में जिला सहकारी बैंक की स्थापना साथ ही नगर पंचायत की स्थापना की घोषणा प्रमुख थी जिसमे से आत्मानंद विद्यालय मात्र ही आरंभ हो सका था शेष दो घोषणाएं शेष थीं जिनमें से नगर पंचायत की घोषणा पर अब अमल होना तय नजर आ रहा है।

उच्च न्यायालय से खारिज हुई याचिका,अब पटना का नगर पंचायत बनना तय

उच्च न्यायालय से याचिका खारिज हो चुकी है जैसा सूत्रों का कहना है जो पटना को नगर पंचायत न बनाए जाने को लेकर दायर थी और उसी के साथ अब पटना का नगर पंचायत बनना तय है। अब श्रेय मात्र की होड़ में जो न विलंब हो वरना लगभग कार्यवाही पूर्व की कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में ही पूर्ण हो चुकी है।

बेवजह का श्रेय न लें सत्ताधारी दल के विधायक,पटना को नगर पंचायत का दर्जा कांग्रेस सरकार की देन:विजय सिंह जिलाध्यक्ष आदिवासी कांग्रेस प्रकोष्ठ कोरिया

हाल ही में पटना को नगर पंचायत बनाए जाने को लेकर भाजपा से वर्तमान बैकुंठपुर विधायक भइयालाल राजवाड़े का प्रयास उप मुख्यमंत्री से उनकी मुलाकात और संबंध में उप मुख्यमंत्री का आश्वासन की जल्द नगर पंचायत बनाए जाने की प्रक्रिया आरंभ होगी को लेकर आदिवासी प्रकोष्ठ जिला कांग्रेस कमेटी कोरिया के अध्यक्ष विजय सिंह ने अपना बयान दिया है। विजय सिंह ने कहा की जब भाजपा शासनकाल में पूर्व में पटना को नगर पंचायत बनाए जाने की मांग होती थी तब भाजपा के ही मुख्यमंत्री मना कर देते थे और तब यही विधायक चुप रह जाते थे। वहीं कांग्रेस के पूर्व मुख्यमंत्री जो एक ही बार की मांग में वह भी केवल ग्राम के लोगों की मांग पर ही पटना को नगर पंचायत घोषित कर दिए जो यह बतलाता है की कांग्रेस की सरकार और मुख्यमंत्री कितने संवेदनशील थे आम लोगों की मांगों के प्रति। अब वही घोषणा कांग्रेस सरकार की पूर्व मुख्यमंत्री की पूरी होने जा रही है जो एक अवरोध की वजह से पूरी नही हो पा रही थी जो अवरोध हट गया तो वर्तमान विधायक बैकुंठपुर श्रेय लेने लगे। विजय सिंह ने कहा की भाजपा ने ही पटना के विकास को रोक रखा था वहीं वर्तमान विधायक भी इस क्षेत्र का विकास नहीं चाहते थे जिसके कारण पटना नगर पंचायत न बन सका अब वही खुद श्रेय ले रहे हैं क्योंकि उन्हे मालूम है की पटना नगर पंचायत बन चुका है पूर्व की सरकार के कार्यकाल में जो उनके लिए एक बड़ा सच है जिसे वह झूठ में नहीं बदल सकते।विजय सिंह ने यह भी कहा की पटना को उसका असली हक कांग्रेस शासन में मिल सका था और जिसको खुद पटना के भाजपा नेताओं ने स्वीकार किया था वरना वह तत्कालीन विधायक के स्वागत सम्मान कार्यक्रम में मंच पर बैठकर उन्हे धन्यवाद नहीं देते जब नगर पंचायत बनाने के लिए उनका स्वागत सम्मान किया गया था।

भू-जल और पर्यावरण संवर्धन व संरक्षण हेतु गहन वृक्षारोपण के लिए

कोरबा जिला कांग्रेस अध्यक्ष ने समस्त पदाधिकारियों को लिखा पत्र

-संवाददाता-
कोरबा,17 जून 2024 (घटती-घटना)।

कोरबा जिला ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष सुरेन्द्र प्रताप जायसवाल ने कांग्रेस पार्टी के समस्त पदाधिकारियों को पत्र प्रेषित कर अपील किया है कि कोरबा में भू-जल स्तर और पर्यावरण संवर्धन व संरक्षण हेतु गहन वृक्षारोपण अभियान चलाया जाए ताकि जिले के लिए निर्धारित 6 लाख पौधों को रोपित किए जाने का लक्ष्य सुगमता से हासिल किया जा सके। श्री जायसवाल ने पत्र में इस बात पर विशेष जोर डाला है कि विगत वर्षों की तुलना में इस वर्ष गर्मी ने सारे रिकार्ड तोड़े हैं और यही स्थिति बरकरार रही तो आने वाले समय में जीव जन्तुओं के साथ ही वनस्पतियों और मानव जीवन के अस्तित्व पर बहुत बड़ा प्रश्न

चिह्न लग जाएगा। लगातार तापमान में हो रही बढ़ोत्तरी की वजह से भू-जल स्तर लगातार नीचे जा रहा है और विशेषकर कोरबा क्षेत्र की बात यदि की जाए तो लगातार बढ़ रही खनन गतिविधियों के कारण भू-जल स्तर की गिरावट में तेजी आई है और कुएं, तालाब, बोर सूख रहे हैं और लोगों के समक्ष गंभीर जल संकट पैदा हो गया है । पत्र में श्री जायसवाल ने समस्त पदाधिकारियों से आग्रह किया है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में खाली पड़ी हुई भूमि का चिह्नांकर कर इमारती और छायादार जैसे आम, जामुन, पीपल, बरगद, नीम आदि को रोपित करने की योजना बनाकर उसे अमलीजामा पहनाएं। इसी प्रकार से सड़कों के किनारे भी पर्याप्त अंतराल पर फैंसी पौधों को लगाने की बजाए टिकाऊ व मजबूत प्रजाति के पौधे लगाने पर विचार करें ताकि पौधों के बड़े होने पर आंधी-तूफान से वे बचे रहें और शाखएं टूटने का खतरा न रहे और विद्युत व्यवस्था बाधित होने से बच सके। पत्र में आगे सुझाया गया है कि इस कार्य के लिए ज्यादा से ज्यादा शासकीय भवन परिसरों, विद्यालय परिसरों व आहाता वाले बड़े भूखण्डों का चयन किया जा सकता है।

इसी प्रकार पत्र में ग्राम पंचयतों से अपील किया गया है कि वर्तमान में सभी तरफ सड़कों और रेल मार्गों का निर्माण कार्य जारी है जिसके लिए बड़े पैमाने पर जमीन को समतल बनाने के लिए मिट्टी की जरूरत पड़ती है जिसे दूसरे स्थानों से लाकर पूरा किया जाता है। अतएव इस समस्या का समाधान करने के लिए ग्राम पंचायतें अपने क्षेत्रों में ऐसे भू-खण्डों का चिह्नांकन कर प्रस्ताव परित करके मिट्टी निकालने की अनुमति दे सकते हैं जो बाद में एक विशाल तालाब का रूप ले सकता है जिसका उपयोग ग्रामवासियों द्वारा ही किया जा सकेगा। श्री जायसवाल ने पत्र की प्रतिलिपि प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष व अन्य वरिष्ठ जनप्रतिनिधियों को प्रेषित किया है।

गंगा दशहरा के अवसर पर

उमड़ा श्रद्धालुओं का जन सैलाब

एक साथ हजारों दियो से जगमगा उठा कन्हर नदी

-संवाददाता-
रामानुजगंज,17 जून 2024 (घटती-घटना)।

ज्येष्ठ महीने के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को पड़ने वाली मां गायत्री जयंती और गंगा दशहरा का पावन पर्व नगर में धूमधाम से मनाया गया। गायत्री जयंती के अवसर पर प्रातः 6 बजे से मां गायत्री मंदिर में हवन पूजन और विभिन्न अनुष्ठान हुए वहीं विशाल भंडारे का आयोजन भी किया गया देर शाम गंगा दशहरा के अवसर पर नगर के मां महामाया मंदिर के समीप कन्हर नदी छठ घाट में कन्हर नदी में आरती करने के लिए श्रद्धालुओं का जन सैलाब उमड पड़ा। गंगा आरती में नगर पंचायत अध्यक्ष रमन अग्रवाल, वरिष्ठ नागरिक सुभाष जायसवाल पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष आर के पटेल, पार्षद अशोक जयसवाल, शैलेश गुप्ता, गायत्री परिवार के एसपी निगम सहित बड़ी संख्या में नगर वासी सम्मिलित हुए। गंगा दशहरा के साथ-साथ मां गायत्री जयंती भी धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष रमन अग्रवाल ने कहा कि गंगा दशहरा के अवसर पर उमड़ा जन सैलाब इस बात का परिचायक है कि कन्हर नदी से आप सब का गहरा लगाव एवं आस्था है। यह नदी हम सबके लिए गंगा के सदृश्य है। जिस प्रकार मां गंगा उत्तर में बहती है उसी प्रकार कन्हर भी उत्तर दिशा में बहती है। कन्हर नदी का पानी उत्तर प्रदेश में सोन नदी में मिलता है और सोन नदी जाकर गंगा में मिलती है। जिस प्रकार नगर को साफ सुथरा रखने में आप सब नगरवासी सहभागी बनते हैं उसी प्रकार से कन्हर नदी को भी साफ सुथरा रखने में आप सब की सहभागिता महत्वपूर्ण है। गंगा दशहरा आयोजन समिति के प्रमुख विकास दुबे ने कहा कि विगत डेढ़ दशकों से नगर में गंगा दशहरा का आयोजन होते आ रहा है साल दर साल आयोजन की भव्यता नगर वासियों के सहयोग से बढ़ते जा रही है आने वाले समय में गंगा दशहरा को और भव्य स्वरूप दिया जाएगा। इस दौरान सुभाष केसरी, सुनील गुप्ता, अजय गुप्ता, मुकेश जायसवाल, प्रमोद कश्यप, विजय रावत , धर्म प्रकाश केशरी, आशीष गुप्ता, अंकित गुप्ता, अमित गुप्ता, महेश अग्रवाल, पवन गुप्ता, निशांत गुप्ता, विनोद केसरी सहित बड़ी संख्या में नगर वासी उपस्थित रहे। श्रद्धालुओं को प्रसाद का विवरण किया गया।

एक साथ नदी में जगमगा उठे हजारों दिए

गंगा दशहरा के आयोजन में सम्मिलित होने हजारों की संख्या में महिलाएं छठ घाट पहुंची थी सभी महिलाओं के द्वारा पूजा अर्चना के लिए दीपक भी लाया गया था जब आरती के पश्चात नदी में दीप प्रज्वलन हुआ तो एक साथ हजारों दीपकों से पूरा छठ घाट जगमगा उठा हजारों दियों के एक साथ जलने से अद्भुत दृश्य छठ घाट में देखने को मिला।

विधि विधान से ब्राह्मणों के समूह ने शंख ध्वनि के बीच कराया पूजा अर्चना

गंगा दशहरा एवं मां गायत्री जयंती के अवसर पर विधि विधान से नगर के वरिष्ठ पुरोहित नंद कुमार पांडे के नेतृत्व में महामाया मंदिर के मुख्य पुजारी जितेंद्र पांडे, शिव मंदिर के पुजारी श्याम कुशल पांडे, दामोदर मिश्रा, विनय पांडे सहीत अन्य पुजारियों के दल ने विधि विधान से शंख ध्वनि के बीच गंगा दशहरा के अवसर पर एवं मां गायत्री जयंती के अवसर पर अनुष्ठान पूर्ण कराया।

पिता को टांगी के पासा से मारकर हत्या करने वाले पुत्र को बालको पुलिस ने किया गिरफ़्तार

-संवाददाता-
कोरबा,17 जून 2024 (घटती-घटना)।

जिले के बालको थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम दोंदरो में एक पुत्र ने अपने पिता की हत्या महज एक मामूली से विवाद के चलते कर दी। मामला दिनांक 16.06.2024 को रात करीब 11 बजे का है ,जब जरिये मोबाईल फोन से पुलिस को सूचना प्राप्त हुई की ग्राम दोंदरो में अशोक केंवट ने अपने पिता को टांगी के पासा से मारकर हत्या कर दिया है, कि सूचना तस्दीक कर घटना के संबंध में पुलिस अधीक्षक कोरबा को तत्काल अवगत कराया गया। जिसपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यू.बी.एस.चौहान एवं उप पुलिस अधीक्षक कोरबा (मुख्यालय) श्रीमती प्रतीभा मरकाम के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी बालको अभिनवकांत सिंह के नेतृत्व में बालको पुलिस द्वारा हत्या के आरोपी पुत्र के तलाश में जुट गई। बताया गया के आरोपी

केरल में इलायची के बगीचा में काम करता था एवं बीच-बीच में समय निकालकर वह अपने घर दोंदरो घूमने आया करता था। इस बार भी वह पिता के बुलाने पर घर आया था। क्योंकि उसके विवाह में घर वाले विलंब कर रहे थे जिसे लेकर वह घरवालों से काफी नाराज था। 16जून की रात को भी पिता पुत्र के बीच विवाह में विलंब को लेकर विवाद हो गया जिसपर पुत्र अशोक केवट ने अपने पिता दिलचंद केंवट 55 वर्ष पर टंगी के पाशा से वार कर दिया, जिसपर पिता दिलचंद की घर ही में मौत हो गई द्य उक्त घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी केरल भागने के फिराक में था, किन्तु बालको पुलिस की सूझबूझ एवं तत्परता से आरोपी के पता तलाश में लग जाने से आरोपी के फरार होने से पहले ही दोंदरो के स्कूल के पास जंगल तरफ जाते समय आरोपी अशोक कुमार केंवट पिता दिलचंद केंवट उम्र 30 वर्ष साकिन ग्राम दोंदरो थाना बालकोनगर कोरबा को अपराध क्र- 307/2024, धारा-302 भादवि के तहत पकड़ लिया गया एवं विधिवत गिरफ़्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया । उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी बालको निरीक्षक अभिनवकांत सिंह, सउनि चन्द्रशेखर वैष्णव प्र.आर. राजनारायण सिंह, आरक्षक शिव पैकरा, अनिल साहू, हरिश मरावी, शत्रुहन बंजारे, गोपाल साहूनन्द कुमार राठौर का उत्कृष्ट योगदान रहा।

आमजन की सुविधा के मद्देनजर कलेक्टर हुए सख्त

उदयपुर-झिरमिट्टी सड़क नवीनीकरण कार्य में आई तेजी,बीटी कार्य जारी

-संवाददाता-
अंबिकापुर,17 जून 2024 (घटती-घटना)।

कलेक्टर विलास भोसकर द्वारा गत रविवार को उदयपुर का औचक दौरा किया गया जहां उन्होंने उदयपुर-झिरमिट्टी सड़क नवीनीकरण कार्य का निरीक्षण किया। इस सड़क का संधारण कार्य मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत किया जा रहा है जिसकी लंबाई लगभग चार किमी है। औचक निरीक्षण के दौरान सड़क संधारण कार्य में लापरवाही को देखते हुए कलेक्टर ने अधिकारियों को नवीनीकरण कार्य में तेजी लाने के सख्त निर्देश दिए थे। कलेक्टर के निरीक्षण के बाद सड़क के नवीनीकरण कार्य में तेजी आई है और सोमवार से सड़क पर बीटी कार्य चालू कर दिया गया है। आम जन की सुविधाओं को प्राथमिकता देते हुए कलेक्टर ने अधिकारियों और ठेकेदार को जल्द ही कार्य पूर्ण करने निर्देशित किया है।

संक्षिप्त खेल समाचार

नीरज चोपड़ा आज से ओलंपिक खेलों के लिए अपनी तैयारियों की शुरुआत करेंगे

तुर्कू,17 जून 2024। मामूली चोट से उबरने के लिए कुछ समय तक आराम करने वाले ओलंपिक और विश्व चैंपियन भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा मंगलवार को यहां पावो नूरमी खेलों में भाग लेकर पेरिस ओलंपिक खेलों के लिए अपनी तैयारियों की शुरुआत करेंगे। चोपड़ा इस प्रतियोगिता में भाग लेने

वाले एकमात्र भारतीय खिलाड़ी हैं। इस 26 वर्षीय खिलाड़ी को जर्मनी के किशोर एथलीट मैक्स डेहनिंग की कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ सकता है जो 90 मीटर तक भाला फेंकने वाले खिलाड़ियों की सूची में सबसे युवा खिलाड़ी हैं।

इस 19 वर्षीय खिलाड़ी को ओलंपिक में चोपड़ा के लिए कड़ा प्रतिस्पर्धी माना जा रहा है। उनके अलावा इस एक दिवसीय प्रतियोगिता में स्थानीय खिलाड़ी ओलिवर हेलैंडर भी अपनी चुनौती पेश करेंगे जिन्होंने यहां 2022 में चोपड़ा को पीछे छोड़कर स्वर्ण पदक जीता था। भारतीय खिलाड़ी ने 2022 में 89.30 मीटर भाला फेंक कर रजत पदक जीता था। यह उनका तब व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी था।

कप्तानी छोड़ने के बारे में नहीं सोचा है,यह फैसला पीसीबी का है

फोर्ट लाउडरहिल,17 जून 2024। टी20 विश्व कप के शुरुआती चरण से बाहर होने के बाद आलोचना का सामना कर रहे पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने कहा कि उन्होंने कप्तानी छोड़ने के बारे नहीं सोचा है और इस बारे में कोई फैसला पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) से बातचीत के बाद किया जायेगा। पिछले टी20 विश्व कप (2022) के उपविजेता

पाकिस्तान को ग्रुप ए में अपने शुरुआती दो मैचों में अमेरिका और भारत से शिकस्त का सामना करना पड़ा, जिससे टीम सुपर आठ चरण में जगह बनाने में विफल रही।

एकदिवसीय विश्व कप (2023) के बाद टी20 विश्व कप के शुरुआती चरण में बाहर होने के कारण भारी आलोचना का सामना कर रहे पाकिस्तान के कप्तान से जब आयरलैंड के खिलाफ खेले गये मैच के बाद पूछा गया कि क्या उनकी इस्तीफा देने की कोई योजना है, तो उन्होंने पलटवार किया। आयरलैंड को तीन विकेट से हराने के बाद बाबर ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''जब मैं वापस जाऊंगा (पाकिस्तान) तो हम उन सभी चीजों पर चर्चा करेंगे जो यहां हुई हैं। अगर मुझे कप्तानी छोड़नी होगी, यह फैसला, मैं आपको खुलकर बताऊंगा। मैं पर्दे के पीछे कुछ भी घोषणा नहीं करूंगा। जो कुछ भी होगा वह सब के सामने होगा।''

कौन सी टीम का किस टीम के साथ होगा मुकाबला

नई दिल्ली,17 जून 2024। सुपर 8 में पहला मुकाबला अमेरिका और साउथ अफ्रीका के साथ 19 जून को होना है। इसके बाद 20 जून को इंग्लैंड और वेस्टइंडीज की टीम एक दूसरे के खिलाफ खेलेगी। इसके बाद भारतीय टीम 20 जून को अफगानिस्तान के साथ खेलेगी।

टी-20 वर्ल्ड कप के सुपर 8 में आखिरकार इंग्लैंड और बांग्लादेश की टीम क्वालीफाई करने में सफल हो गई है, सभी 8 टीमों ने सुपर 8 में क्वालीफाई कर लिया है। वहीं, बता दें कि सुपर 8 राउंड की शुरुआत 19 जून से होने वाली है।

सुपर 8 का पूरा शेड्यूल

सुपर 8 में पहला मुकाबला अमेरिका और साउथ अफ्रीका केल साथ 19 जून को होना है। इसके बाद 20 जून को इंग्लैंड और वेस्टइंडीज की टीम एक दूसरे के खिलाफ खेलेगी। इसके बाद भारतीय टीम 20 जून को अफगानिस्तान के साथ खेलेगी।

सुपर 8 में कुछ ऐसा है ग्रुप

ग्रुप-1-भारत,ऑस्ट्रेलिया,अफगानिस्तान, बांग्लादेश

ग्रुप-2- इंग्लैंड,अमेरिका,साउथ अफ्रीका, वेस्टइंडीज

सुपर 8 में भारत के मैच

सुपर 8 में भारतीय टीम अपना पहला मैच 20 जून को अफगानिस्तान के साथ खेलेगी. इसके बाद 22 जून को भारतीय टीम अपना दूसरा मैच खेलेगी .उम्मीद है कि बांग्लादेश के साथ भारतीय टीम का मुकाबला होगा. इसके अलावा 24 जून को भारत और ऑस्ट्रेलिया की टीम एक दूसरे के खिलाफ खेलेगी।

बचना होगा इन टीमों से

भारतीय टीम को अपने ग्रूप में अफगानिस्तान और ऑस्ट्रेलिया से बचकर रहना होगा। दोनों टीमों ने अपने ग्रूप में शानदार खेल दिखाया है।. अफगानिस्तान ने इसबार करिश्मा करते हुए न्यूजीलैंड की टीम को हराने में सफलता हासिल की थी।

दीक्षा डगर ने इटैलियन ओपन में छठा स्थान प्राप्त किया

» एलईटी ऑर्डर ऑफ मेरिट में 10वें स्थान पर पहुंची

रोम,17 जून 2024। रोम ने 1-अंडर 71 का स्कोर किया और लेडीज इटैलियन ओपन में छठे स्थान पर रहीं। दीक्षा, जिन्होंने अपने पहले दो राउंड में 67-72 का स्कोर किया था, ने सप्ताह के लिए 6-अंडर 210 का स्कोर किया और विजेता इंग्लैंड की एमी टेलर से चार शॉट पीछे रहीं, जिन्होंने पहले दो दिनों में 70-67 के बाद 69 का स्कोर किया। भारत के अन्य सितारे टी-19 में प्रणवी उर्स (72) और टी-42 में त्वेसा मलिक (73) थे। वाणी कपूर और रिधिमा दिलावरी कट से चूक गईं।

यह एक ऐसा सप्ताह था, जिसमें दीक्षा ने कई पुट मिस किए, लेकिन उनके लिए सकारात्मक बात यह रही कि उन्होंने केवल तीन बोगी हारी - प्रत्येक दिन एक। पहले दिन उन्होंने छह बर्डी, दूसरे दिन एक और अंतिम दिन दो बर्डी बनाईं। अप्रैल के अंत में जोबर्ग में तीसरे स्थान पर आने के बाद यह दीक्षा का पहला शीर्ष-10 था। वह एलईटी ऑर्डर ऑफ मेरिट में दसवें स्थान पर भी पहुंच गई, जहां वह पिछले साल तीसरे स्थान पर थी। अगले सप्ताह दीक्षा पिछले साल चेक लेडीज ओपन में जीते गए खिताब का बचाव करेंगी, जब उन्होंने कुल नौ शीर्ष-10 बनाए थे, जिसमें हीरो महिला इंडियन ओपन में तीसरा स्थान भी शामिल था। दीक्षा को इस साल के अंत में दो मेजर और ओलंपिक खेल भी खेलने हैं। दीक्षा विजेता एमी टेलर (69) से चार शॉट पीछे थीं, जिन्होंने गोल्फ नाज़ियोनेल में प्रसिद्ध ट्रॉफी को जीतने के लिए स्पेन की मारिया हर्नांडेज़ (67) पर एक शॉट से अपना पहला लेडीज़ यूरोपियन टूर (एलईटी) खिताब जीता था। केमिली शेवेलियर, जिनकी एकमात्र एलईटी जीत 2017 में भारत में आई थी, सिंगापुर की शैनन टैन और इतालवी शौकिया फ्रांसेस्का फियोरेलिनी के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। दीक्षा छठे स्थान पर बराबरी पर रहीं, इस समूह में पिया बाबनिक, एलेसेंड्रो फैनाली - जिन्होंने अंतिम दौर में 67 रन बनाए - एम्मा स्पिट्ज और कर्स्टन रूडगेली शामिल थीं

स्ट्राइकर्स की ब्लास्टर्स पर रोमांचक जीत

मोहाली ,17 जून 2024। जेके सुपर स्ट्राइकर्स ने अपने युवा खिलाड़ियों के संयुक्त प्रयास की बदौलत शानदार जीत दर्ज की। मोहाली के आईएस बिंद्रा स्टेडियम में पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन(पीसीए) द्वारा आयोजित दूसरे शेर-ए-पंजाब टी20 कप में टीम ने बीएलवी ब्लास्टर्स पर रोमांचक मुकाबले में 11 रन से जीत दर्ज की।

मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए जेके सुपर स्ट्राइकर्स ने 20 ओवर में 187/5 का विशाल स्कोर बनाया। ओपनर शिवेन रखेजा ने अपनी शानदार फॉर्म जारी रखते हुए 26 गेंदों में 46 रन की पारी खेलकर स्ट्राइकर्स को शानदार शुरुआत दिलाई। दूसरे ओपनर कार्तिक शर्मा ने उनका अच्छा साथ दिया, जिन्होंने 15 गेंदों में 26 रन बनाए। दोनों ने 4.3 ओवर में 59 रन जोड़े। मध्यक्रम के बल्लेबाज आर्यन यादव(20 गेंदों में 25 रन) और शहबाज संधू (18 गेंदों में 28 रन) ने स्ट्राइकर्स को मजबूती दी। आखिरी क्षणों में शानदार प्रदर्शन करते हुए गौरव मार्कन ने 19 गेंदों पर 39 रनों की पारी खेली और स्ट्राइकर्स को 20 ओवर में 187 रनों तक पहुंचाया। ब्लास्टर्स की ओर से बाएं हाथ के स्पिनर हरप्रीत बराड़ ने 22 रन देकर तीन विकेट लिए। जवाब में ब्लास्टर्स लक्ष्य से 11 रन पीछे रह गए। बाएं हाथ के बल्लेबाज हरनूर पन्नू ने 48 गेंदों पर 73 रनों की शानदार पारी खेली, लेकिन वे जीत नहीं दिला सके। अपनी काबिलियत साबित करते हुए हरनूर ने चार गगनचुंबी छक्के लगाए। कप्तान नमन धीर बल्ले से ज्यादा कुछ नहीं कर सके और 10 रन बनाकर आउट हो गए। उन्हें सनवीर सिंह ने आउट किया। फॉर्म में चल रहे बल्लेबाज अनमोल मल्होत्रा ने 40 गेंदों पर 55 रनों की पारी खेलकर अपनी टीम को लक्ष्य के करीब पहुंचाया, लेकिन उन्हें दूसरे छोर से ज्यादा सहयोग नहीं मिला। टीम ब्लास्टर्स 20 ओवर में 8 विकेट पर 176 रन ही बना सकी। विजेता टीम के लिए हर्षदीप सिंह ने शानदार गेंदबाजी करते हुए पांच विकेट लिए। सनवीर सिंह को दो सफलताएं मिली, जबकि प्रेरित दत्ता ने एक बल्लेबाज का शिकार किया।

जब इरफान खान की टिप्पणी ने खड़ा कर दिया था बवाल

मौलवियों के पास नहीं थे अभिनेता के सवालों के जवाब

अभिनेता इरफान खान अब इस दुनिया में नहीं है। वह शानदार एक्टिंक के साथ साथ शानदार विचार भी रखते थे। वह भले ही मुस्लिम थे लेकिन वह अपने ही धर्म की कुछ मान्यताओं और आतंकवाद के खिलाफ हमेशा बोलते थे। इरफान खान ने मुस्लिम धर्म के त्यौहार बरकी ईद को लेकर अपने विचार साझा किए थे जिसके बाद मुस्लिम समुदाय के मौलवियों ने ही उनके खिलाफ मोर्चा खोल दिया था। अभिनेता इरफान खान रमजान के दौरान उपवास और बकरीद के दौरान कुर्बानी की परंपराओं पर अपनी टिप्पणी के बाद विवादों में घिर गए थे। एक साक्षात्कार में अभिनेता ने कहा था कि उपवास करने के बजाय लोगों को आत्मनिरीक्षण करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि कुर्बानी के नाम पर जानवरों का वध किया जा रहा है। आगे विस्तार से बताते हुए इरफान ने कहा कि कुर्बानी का मतलब भेड़ या बकरी की जगह अपने किसी करीबी की कुर्बानी देना है।

पीकू अभिनेता ने कहा था कि आजकल धार्मिक गतिविधियों के पीछे की प्रासंगिकता खत्म हो गई है और लोग उनके पीछे के वास्तविक संदेश को जाने बिना ही उन्हें करते हैं। मुहर्रम पर

टिप्पणी करते हुए अभिनेता ने कहा कि मुसलमानों ने मुहर्रम का मजाक उड़ाया है और जबकि यह शोक मनाने के लिए होता है, लोग इसे त्योहार की तरह मनाते हैं।

इरफान ने आतंकवाद के मुद्दे पर न बोलने के लिए मुस्लिम नेताओं की भी आलोचना की और आम जनता से इस मुद्दे पर राजनेताओं से सवाल करने को कहा था। उनकी टिप्पणियों का ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) के सदस्य जफरयाब गिलाबी ने खंडन किया, जिन्होंने अभिनेता की निंदा करते हुए कहा कि वह कोई धार्मिक नेता नहीं हैं और उनकी सलाह की जरूरत नहीं है। जमात-ए-उलेमा-ए-हिंद के सचिव मौलाना खत्री ने भी अभिनेता की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि इरफान खान को अपने करियर पर ध्यान देना चाहिए और बेतरतीब बयानबाजी नहीं करनी चाहिए।

इरफान ने कहा था जितने अनुष्ठान हैं, जितने त्यौहार हैं, हम उनका असल मतलब भूल गए हैं। हमने उनको एक तमाशा बना दिया है। कुर्बानी एक बहुत अहम त्यौहार है.. इसका मतलब है बलिदान। उस समय बकरी भोजन का मुख्य स्रोत थी और बहुत से लोग भूखे रहते थे। इसलिए आपको एक तरह से अपने किसी प्रिय वस्तु की कुर्बानी देनी होती थी और उसे लोगों में बांटना होता था।

अभिनेता ने कहा था लेकिन आज अगर आप बाजार से दो बकरियां खरीदते हैं और उनसे आपका कोई लेना-देना नहीं है (कोई लगाव नहीं है), तो यह कुर्बानी कैसे हुई? यह सामान्य ज्ञान है- जो कोई भी कुर्बानी कर रहा है, उसे खुद से पूछना चाहिए कि अगर आप किसी और की जान लेते हैं, तो आपको उसका सवाब (इस्लाम के संदर्भ में पुरस्कार) कैसे मिलेगा? आप जान किसी और की ले रहे हों, आप कुर्बान उसको कर रहे हों, आपको पुण्य कैसे मिलेगा भाई? यह सामान्य ज्ञान है।

जहां दुनिया भर के मुसलमानों से उनकी राय को लेकर मिली-जुली राय आ रही है, वहीं सुपरस्टार आमिर खान ने इरफान की टिप्पणी पर अप्रत्याशित प्रतिक्रिया दी थी।

कन्नड़ अभिनेता दर्शन के फैन को हत्या से पहले बिजली के झटके दिए गए,पोस्टमार्टम से हुआ खुलासा

लोकप्रिय कन्नड़ अभिनेता दर्शन थुगुदीपा के प्रशंसक रेणुकास्वामी की पोस्टमार्टम रिपोर्ट से पता चला है कि उनकी मौत से पहले उन्हें बिजली के झटके दिए गए थे, पुलिस सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। यह घटनाक्रम तब सामने आया है जब अधिकारी कन्नड़ फिल्म उद्योग को झकझोर देने वाले इस हाई-प्रोफाइल मामले की जांच कर रहे हैं। रेणुकास्वामी की हत्या के सिलसिले में गिरफ्तार किए गए 17 लोगों में दर्शन और उनके अभिनेता मित्र पवित्रा गौड़ा भी शामिल हैं।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि हाल ही में गिरफ्तार किए गए संदिग्ध धनराज, जो मांड्या का एक केबल कर्मचारी है, ने यातना के बारे में विस्तृत जानकारी दी। कथित तौर पर धनराज को एक अन्य आरोपी नंदीश ने बेंगलुरु के एक गोदाम में बुलाया था, जहां उन्होंने रेणुकास्वामी को बिजली के झटके देने के लिए एक मेगर का इस्तेमाल करने की योजना बनाई थी। पुलिस ने डिवाइस को जब्त कर लिया है।

रेणुकास्वामी, एक ऑटोरिक्शा चालक और अभिनेता दर्शन के फैनक्लब का सदस्य, पवित्रा गौड़ा को अपमानजनक संदेश भेजने के बाद 8 जून को चित्रदुर्ग जिले से कथित तौर पर अपहरण कर लिया गया था। बाद में उनका शव बेंगलुरु के सुमनहल्ली ब्रिज के पास मिला। इंडिया टुडे टीवी द्वारा एक्सेस किए गए सीसीटीवी फुटेज में रेणुकास्वामी के अपहरण से पहले के पलों को दिखाया गया है। कथित तौर पर आरोपी ने सुबह 9:30 बजे घर से निकलते ही ऑटोरिक्शा में उनका पीछा करना शुरू कर दिया था।

ऑटोरिक्शा को पेट्रोल पंप से गुजरते समय सुबह 9:41 बजे निगरानी कैमरे में कैद किया गया। एक साथी को सफेद स्कूटर पर पीछा करते हुए भी देखा जा सकता है। अपहरण में कथित तौर पर इस्तेमाल की गई एक कार को भी रविवार को जब्त कर लिया गया। रिपोर्ट के अनुसार, वाहन चित्रदुर्ग जिले के अय्यानहल्ली गांव में एक घर में खड़ा पाया गया। संदिग्धों में से एक रवि ने कथित तौर पर कार वहीं छोड़ दी थी। रवि के परिवार से पूछताछ के बाद वाहन से कई सामान जब्त किए गए। चैलेंजिंग स्टार के रूप में जाने जाने वाले दर्शन और 12 सहयोगियों को पिछले मंगलवार (11 जून) को शुरू में गिरफ्तार किया गया था। जांच जारी रहने के कारण शनिवार को दर्शन, गौड़ा और 11 अन्य की पुलिस हिरासत बढ़ा दी गई।

रश्मिका और विजय ने ओलंपिक में गीता गोविंदम का मनाया जश्न

;विजय देवरकोंडा ने खुशी जाहिर की क्योंकि ओलंपिक में उनकी फिल्म गीता गोविंदम के गाने इंकम इंकम का इस्तेमाल किया गया। एफिल टॉवर वाले ने प्रशंसकों को प्रसन्न कर दिया। उन्होंने रश्मिका मंदाना के साथ यूट्यूब पर डियर कॉमरेड के 400 मिलियन व्यूज तक पहुंचने का जश्न भी मनाया।

डियर कॉमरेड में रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा डियर कॉमरेड में अभिनेता विजय देवरकोंडा इस बात से बेहद खुश हैं कि उनकी फिल्म गीता गोविंदम का एक गाना ओलंपिक के आधिकारिक इंस्टाग्राम पेज पर आ गया है। पेज ने एक वीडियो शेयर किया है जिसमें फिल्म के गाने इंकम इंकम और ड्रेक के हॉटलाइन ब्लिंग का मैशअप है, जिसे ओलंपिक रिंग्स से सजे एफिल टॉवर की पृष्ठभूमि में सेट किया गया है। वीडियो का शीर्षक है एफिल टॉवर का नया रूप किसे पसंद है? पेरिस बन रहा है अगले महीने होने वाले ओलंपिक खेलों के लिए तैयार, गाने ने प्रशंसकों को खुश किया और गाने की स्थायी लोकप्रियता को प्रदर्शित किया।

चिरंजीवी की ऐसी बातें हैं जिसे राम चरण सर रखते हैं आखों पर

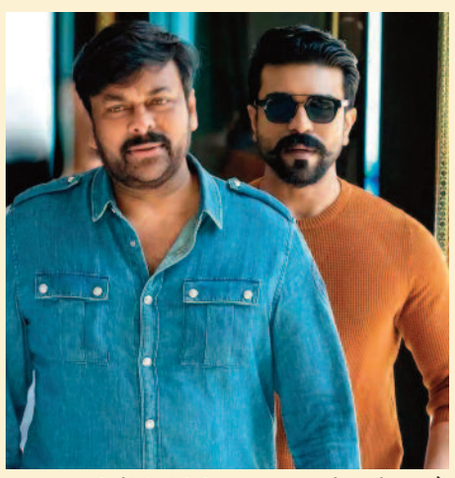

साउथ इंडस्ट्री में चिरंजीवी का दबदबा हमेशा से रहा है। चाहे रजनीकांत का दौर हो, कमल हासन का या प्रभास का, चिरंजीवी साउथ में हमेशा लोकप्रिय रहे हैं और आज भी हैं। उनकी फिल्मों को काफी पसंद किया जाता है. इंडियन बेल्ट के दर्शकों का भी उनके साथ पुराना रिश्ता है और वे उन्हें अच्छी तरह से जानते हैं। वहीं राम चरण के बेटे की बात करें तो उनकी प्रसिद्धि नई है. आज लोग उन्हें जानते हैं और उनके संपर्क में हैं. उन्होंने इस देश की पहली ऑस्कर विजेता फिल्म में अभिनय किया। लेकिन इसके बाद भी वह अपने पिता चिरंजीवी के मुकाबले छोटे थे. इस बात को राम चरण खुद भी विनम्रतापूर्वक स्वीकार करते हैं. अभिनेता ने हाल ही में बताया कि कैसे उन्हें उनके पिता ने प्रशिक्षित किया था।राम चरण ने हाल ही में फादर्स डे के मौके पर अपने पिता चिरंजीवी के बारे में बात की। उन्होंने अपने पिता के साथ अपने रिश्ते और उनसे क्या सीखा, इस बारे में बात की। अभिनेता ने कहा, मेरे पिता का संचार कौशल, समर्पण और अनुशासन उत्कृष्ट है और वह समाज के लिए एक आदर्श भी हैं। उन्होंने मुझसे कहा कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप कितने बड़े सुपरस्टार हैं। आपको अपने आसपास के कर्मचारियों के साथ अत्यंत विनम्रता से व्यवहार करना चाहिए। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि मेरे पिता मुझे चौबीसों घंटे अनुशासित रखना चाहते हैं। क्योंकि अनुशासन हमेशा मदद करता है, चाहे वह अच्छा दिन हो या बुरा।

मेरे चाचा भी पवन कल्याण का सम्मान करते हैं। राम चरण और चिरंजीवी ने एक साथ फिल्मों में काम किया है। राम चरण अपने पिता चिरंजीवी के अलावा अपने चाचा पवन कल्याण को भी बहुत मानते हैं। पवन एक बेहतरीन एक्टर हैं और साउथ में भी काफी मशहूर हैं. वह हाल ही में आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बने हैं। उद्घाटन समारोह में प्रधानमंत्री मोदी भी शामिल हुए. इसके अलावा, राम चरण खुद भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए और अपने चाचा का समर्थन करने पहुंचे।

विजय सेतुपति की महाराजा ने तेलुगु बॉक्स ऑफिस पर मचाया धमाल

विजय सेतुपति की टॉलीवुड में हाल ही में आई फिल्म महाराजा ने बॉक्स ऑफिस पर अपने शानदार प्रदर्शन के लिए मेड हेडलाईंस हैं। शुरुआती संदेह के बावजूद, फिल्म के तेलुगु डब वर्शन ने उम्मीदों से बढ़कर प्रदर्शन किया है, इसने दर्शकों को आकर्षित किया है और सकारात्मक समीक्षा प्राप्त की है। रिलीज के बाद से सिर्फ तीन दिनों में ही महाराजा ने साढ़े छह करोड़ से ज़्यादा की कमाई कर ली है, जिसमें तीन करोड़ बीस लाख की हिस्सेदारी है। यह उपलब्धि फिल्म देखने वालों के बीच इसकी बढ़ती लोकप्रियता को दर्शाती है, जिसे काफ़ी हद तक लोगों की ज़बान से मिली सिफ़ारिशों से बल मिला है।

सिर्फ़ अपने तीसरे दिन ही फिल्म की कमाई अपने पहले दिन की तुलना में लगभग तीन गुनी हो गई, जिससे दर्शकों की दिलचस्पी में काफ़ी इज़ाफ़ा हुआ। पहले दिन 60 लाख की मामूली हिस्सेदारी के साथ शुरुआत करने वाली महाराजा ने तीन करोड़ के अपने ब्रेक-ईवन लक्ष्य को तेज़ी से पार कर लिया, और मज़बूत वीकेंड कलेक्शन की बदौलत मुनाफ़े के क्षेत्र में पहुँच गई।एक व्यस्त रिलीज़ शेड्यूल में, 'महाराजा' डब और सीधे तेलुगु रिलीज़ दोनों के बीच एक स्टैंडआउट परफ़ॉर्मर के रूप में उभरा है। सुधीर बाबू की 'हरम हारा' जैसी फिल्मों के साथ भी, जो उसी दिन रिलीज़ हुई, 'महाराजा' ने अपने प्रतिद्वंद्वियों को पछाड़ दिया, अपनी मजबूत अपील का प्रदर्शन किया और सभी दर्शकों को आकर्षित किया।

बृजमोहन अग्रवाल ने भारी मन से दिया विधायक पद से इस्तीफा

» मंत्री बने रहेंगे बृजमोहन अग्रवाल!

» 600 शिक्षकों के ट्रांसफर की फाइल भेजी सचिवालय को

रायपुर,17 जून 2024(ए)। रायपुर संसदीय सीट से 4 जून को सांसद चुने जाने के बाद छत्तीसगढ़ बीजेपी के दिग्गज नेता बृजमोहन अग्रवाल ने रायपुर दक्षिण विधानसभा सीट से इस्तीफा दे दिया है। बृजमोहन अग्रवाल छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष डॉ रमन सिंह के मौलश्री विहार स्थित उनके निवास पहुंचे और उन्होंने विधायक विधायक पद से अपना इस्तीफा सौंप दिया। उनके साथ पूर्व मंत्री प्रेम प्रकाश पांडे, पूर्व मंत्री अजय चंद्राकार, रायपुर उत्तर के विधायक पुरंदर मिश्रा समेत कई बड़े नेता थे। हालांकि संविधान के नियमों के अनुसार भारत निर्वाचन आयोग द्वारा सांसद चुने जाने की नोटिफिकेशन जारी होने के 14 दिन के भीतर किसी एक सदन से इस्तीफा देने रहता है। बृजमोहन अग्रवाल की यह मियाद 19 जून को पूरी हो रही थी। मगर इसके दो दिन पहले ही उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष को इस्तीफा दे दिया।

उन्होंने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा था कि 19 तारीख तक में विधायक रह सकता हूं। 19 से पहले मैं विधायक पद से इस्तीफा दे दूंगा। दोपहर बाद करीब 3:00 बजे अचानक यह खबर आई के बृजमोहन अग्रवाल इस्तीफा देने विधानसभा अध्यक्ष के घर जा रहे हैं तो यह खबर वायरल होते ही सियासी हल्का में हलचल मच गई.। सभी का एक ही सवाल था कि बृजमोहन सिर्फ विधायक पद से इस्तीफा देंगे या मंत्री पद से भी दे रहे हैं।

लेकिन उनके करीबी सूत्रों का कहना है कि वे अभी मंत्री बने रहेंगे। बृजमोहन के पास स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा एवं पर्यटन विभाग है.। उन्होंने बकायदा इनीशिएटिव लेते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से गर्मी को देखते बच्चों की स्कूल की छुट्टियां 25 जून तक बढ़वाने के लिए बात की. इससे सन्देश यह गया कि विभागीय कार्यों में अभी भी वे रूचि लें रहे हैं।

ट्रांसफर की फाइल

मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने 600 शिक्षकों के ट्रांसफर के लिए स्कूल शिक्षा विभाग को पिछले हफ्ते लास्ट वर्किंग डे यानी 14 जून को फ़ाइल भेजी है. जाहिर है यह फाइल नीचे से होते हुए स्कूल शिक्षा सचिव और मुख्य सचिव की अनुशंसा से आगे बढ़कर समन्वय तक जाएगी. मुख्यमंत्री समन्वय के हेड होते हैं। बृजमोहन के ट्रांसफर के प्रस्ताव पर मुख्यमंत्री क्या स्टैंड लेते हैं, ये बाद की बात है, बृजमोहन के सन्दर्भ में मैसेज यह गया कि वह अभी मंत्री पद से इस्तीफा नहीं देंगे क्योंकि इस्तीफा देना होता तो शिक्षकों के ट्रांसफर की फ़ाइल उन्होंने आगे नहीं बढ़ाई होती। जाहिर है, रायपुर लोकसभा सीट से सांसद चुने जाने के बाद मंत्री पद से इस्तीफा देने के बारे में वह कई बार सार्वजनिक तौर पर बोल चुके हैं कि विधायक पद से इस्तीफा देने के बाद 6 महीने तक मैं मंत्री रह सकता हूं। हालांकि उन्होंने यह भी कहा था कि मुख्यमंत्री जब कहेंगे तो मैं मंत्री से इस्तीफा दे दूंगा।.

विधानसभा में खलेगी बृजमोहन अग्रवाल की कमी:रमन

उनके बड़े सदन में पहुंचने की खुशी है : रमन सिंह

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से नवनिर्वाचित सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने आज विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह के मौलश्री स्थित निवास कार्यालय में विधानसभा सदस्यता से अपना इस्तीफा दिया है।

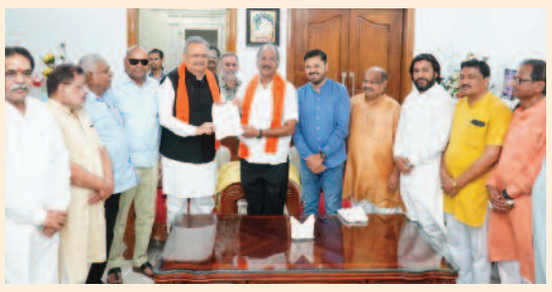

उनके इस्तीफे को लेकर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि, बृजमोहन ज़ी ने विधिवत तरीके से विधायक पद से इस्तीफा दिया है। उनका इस्तीफा तुरंत स्वीकृत कर लिया गया है। उनके बड़े सदन में जाने की खुशी भी है। उनके रहने से विधानसभा भरा- भरा लगता है और पूरे विधानसभा को उनकी उपस्थिति का एहसास होता है। वे विद्वता के साथ बात प्रस्तुत करते हैं। सभी नए विधायकों को उनके अनुभव का लाभ मिलेगा। लेकिन उनकी कमी भी हमें महसूस होगी।

दिल्ली के हाउस में छत्तीसगढ़ की बातों को रखने का मिलेगा मौका

उन्होंने आगे कहा कि, दिल्ली जा रहे हैं तो एक बड़े पद की ओर आगे बढ़ रहे हैं। छत्तीसगढ़ की बातों को दिल्ली के हाउस में रखने का मौका मिलेगा। केंद्रीय मंत्रियों के बीच जाकर छत्तीसगढ़ की आवश्यकताओं को बताने का अवसर मिलेगा। कांग्रेस द्वारा ऑफर दिए जाने पर उन्होंने कहा कि, कांग्रेस को पता नहीं क्या हो गया है। जिस प्रकार के बयान बाजी हो रही है ऐसा लगता है कि, वे संतुलन खो बैठे हैं।

पीएम मोदी अपने विवेक से निर्णय लेते हैं

केंद्रीय मंत्री बनाने के सवाल पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि, इस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विशेषाधिकार है। प्रधानमंत्री इस पर अपने विवेक से निर्णय लेते हैं। यह हम लोगों के अधिकार क्षेत्र के बाहर है। बृजमोहन अग्रवाल को राज्य के राजनीति से दूर करने के सवाल पर उन्होंने कहा कि, कुछ लोग इस प्रकार की बात करते हैं और मजे लेते हैं। यह बड़ी उपलब्धि रहती है। जब हम लोकसभा के लिए जाते है तो बड़े कैनवास और बड़े स्तर पर काम करने के लिए जाते हैं। इससे नए दरवाजे खुलते हैं।

साय सरकार करेगी तेंदूपत्ता का कैश भुगतान

» इन 3 जिलों में सरकारी योजना की राशि का होगा नगद वितरण

रायपुर,17 जून 2024(ए)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सुकमा, बीजापुर और नारायणपुर

जिलों में तेन्दूपत्ता संग्राहकों को पारिश्रमिक राशि का नगद भुगतान करने के निर्देश दिए हैं। इन जिलों में बैंकों की शाखाएं दूर-दूर हैं, इसलिए मुख्यमंत्री ने तेन्दूपत्ता संग्राहकों की सहूलियत को ध्यान में रखते हुए वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग को यह निर्देश जारी किए हैं। सुकमा, बीजापुर और नारायणपुर जिलों के हाट-बाजारों में कैम्प लगाकर तेन्दूपत्ता संग्राहकों को वर्ष 2024 में पारिश्रमिक राशि का नगद भुगतान किया जाएगा।

मुख्यमंत्री साय के निर्देशों के परिपालन में वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन में विभाग द्वारा इस संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देश मंत्रालय से जारी कर दिए गए हैं। सुकमा, बीजापुर और नारायणपुर जिलों के अलावा अन्य जिलों में तेन्दूपत्ता संग्राहकों को उनके खाते में पारिश्रमिक राशि का भुगतान किया जाता है।

प्रधान मुख्य वन संरक्षक व्ही. श्रीनिवास राव ने बताया कि वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा जारी निर्देश में कहा गया है कि समस्त नगद भुगतान की कार्यवाही जिला कलेक्टर के पर्यवेक्षण एवं नियंत्रण में सम्पन्न की जाएगी। नगद भुगतान के लिए कौन से संग्राहक पात्र होंगे, इसका निर्धारण कलेक्टर द्वारा किया जाएगा। प्रत्येक प्रकरण का नगद भुगतान कलेक्टर की अनुमति से होगा।

जिला मुख्यालय में अब 20 जून तक रहेगी धारा 144 लागू

» कलेक्टर ने जारी किया आदेश

बलौदाबाजार,17 जून 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार शहर में 10 जून की हिंसा और आगजनी के बाद धारा 144 लगाई गई थी। जिसे कलेक्टर दीपक सोनी ने बढाकर 20 जून कर दिया है। आगजनी की घटना के बाद जिले में 10 जून से 16 जून तक धारा 144 लगाई गई थी। लेकिन अब यह 20 जून की रात 12 बजे तक यह जिले में प्रभावशील रहेगा।

5 से अधिक आदमी नहीं कर सकते जिले में प्रवेश

सभी परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी बलौदाबाजार-भाटापारा केएल चौहान ने दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 के अंतर्गत धारा 144 (1) एवं (2) के तहत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए नगरपालिका बलौदाबाजार सीमा क्षेत्र में आगामी आदेश तक रैली या जुलूस पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। अन्य जिले अथवा बाहरी व्यक्तियों का 5 या उससे अधिक व्यक्तियों के समूह का नगरपालिका बलौदाबाजार सीमा क्षेत्र में प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। कोई भी व्यक्ति न तो किसी प्रकार का शस्त्र तलवार, फरसा, भाला, लाठी, चाकू, छुरा, कुल्हाड़ी, गुप्ती, त्रिशुल, खुकरी, सांग एवं बल्लम अथवा अन्य अस्त्र-शस्त्र लेकर सार्वजनिक स्थान पर नहीं निकलेगा। अपवाद- जो व्यक्ति शासकीय कर्तव्य पर है, ड्यूटी के दौरान अस्त्र-शस्त्र धारण कर सकेंगे।

हिंसा के बाद लगाई है धारा 144

दरसअल, 10 जून को बलौदा बाजार जिला कार्यालय में आगजनी एवं हिंसा में हुए तोड़फोड़ के कारण संयुक्त जिला कार्यालय परिसर में कार्यरत अधिकारियों-कर्मचारियों सहित जिला मुख्यालय बलौदाबाजार के निवासियों में भय का वातावरण उत्पन्न हो गया है। घटना को देखते हुए जिले के असामाजिक तत्वों के द्वारा भय एवं आतंक का वातावरण निर्मित कर जिले में शांति व्यवस्था की स्थिति में बाधा उत्पन्न कर सकते हैं। उपरोक्त कारणों के आधार पर नगरपालिका बलौदाबाजार सीमा क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाये रखने हेतु तत्काल कार्यवाही करनाआवश्यक है. ताकि जिला मुख्यालय बलौदाबाजार के रहवासी भयमुक्त वातावरण में निर्भय होकर निवास कर सके।

बुजुर्ग लेकर चल सकते हैं लाठी

आदेश में आगे लिखा है कि, ऐसे वृद्ध / दिव्यांग जो लाठी के बिना चलने में असमर्थ है, वे लाठी का प्रयोग कर सकेंगे। चूंकि यह संकटकालीन तथा आपातकालीन स्थिति एकाएक उत्पन्न हुई है और किसी पक्ष या व्यक्ति को सुनवाई का अवसर देना संभव नहीं है। यह आदेश सर्व साधारण को संबोधित है एवं प्रत्येक जनसाधारण पर तामिल किया जाना संभव नहीं है। अतः यह आदेश दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 के अंतर्गत धारा 144 (2) के अंतर्गत समयाभाव के कारण सार्वजनिक हित को दृष्टिगत रखते हुए,एकतरफा कार्यवाही कर पारित किया जाता है। उक्त आदेश दिनांक 16.06.2024 को रात्रि 12.00 बजे से दिनांक 20.06.2024 को मध्यरात्रि 12.00 बजे तक नगरपालिका सीमा क्षेत्र बलौदाबाजार में प्रभावशील होगा।

शिव डहरिया ने मंत्री बृजमोहन अग्रवाल को दिया कांग्रेस में शामिल होने का ऑफर

रायपुर,17 जून 2024(ए)। छत्तीसगढ़ की राजनीति में एक बड़ा हलचल मचाते हुए पूर्व मंत्री शिव डहरिया ने मंत्री बृजमोहन अग्रवाल को एक बड़ा ऑफर दिया है। उन्होंने कहा है कि अगर बृजमोहन अग्रवाल कांग्रेस में आ जाते हैं, तो उन्हें जो भी चाहिए, वह मिलेगा।शिव डहरिया ने कहा कि बीजेपी में इस समय सर फुटौवल मची हुई है। बृजमोहन अग्रवाल इस्तीफा देने के बाद भी छह महीने तक मंत्री रहने की बात कह रहे हैं। यह तो समय ही बताएगा कि वह कांग्रेस में आएंगे या बीजेपी में रहेंगे। लेकिन हम उन्हें ऑफर देते हैं कि वे कांग्रेस में आ जाएं।डहरिया ने आगे कहा, अगर बृजमोहन अग्रवाल कांग्रेस में आते हैं, तो हम उनसे बात करेंगे और सुनिश्चित करेंगे कि उनकी उपेक्षा न हो। हमारी पार्टी में आने पर उन्हें उनकी हर मांग पूरी की जाएगी। इस पर सवाल उठाया गया कि क्या बृजमोहन अग्रवाल अपने विधायकों को भी साथ लेकर आएंगे।

कांग्रेस आज रायपुर में करेगा धरना प्रदर्शन

रायपुर,17 जून 2024(ए)। छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार जिले में हुई दिल दहला देने वाली घटना को लेकर प्रदेश कांग्रेस कमेटी 18 जून को रायपुर के राजीव गांधी चौक पर धरना-प्रदर्शन करेंगे। कांग्रेस कमेटी ने स्थानीय शासन प्रशासन की विफलता को कारण माना है। घटना को लेकर कांग्रेस ने भाजपा सरकार के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से इस्तीफे की मांग भी की है। कांग्रेस का कहना है कि बलौदा बाजार की घटना ने साबित कर दिया कि सुरक्षा को लेकर सरकार कितनी गंभीर है। पूरी घटना को लेकर कांग्रेस के नेता बलोदा बाजार भी पहुंचे थे और वहां पीड़ितों से मुलाकात भी की है, जिसे लेकर कांग्रेस ने सरकार पर कई आरोप लगाए हैं। इसी कड़ी में प्रदेश कांग्रेस कमेटी एक दिवसीय धरना प्रदर्शन करने जा रही है, जिसमें कांग्रेस के छत्तीसगढ़ प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज समेत कई नेता शामिल होंगे। मंगलवार को सुबह 11:30 से प्रारंभ होने वाले इस धरना प्रदर्शन का छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा किया गया है।.

तेज रफ्तार कार और ट्रैक्टर में हुई जबरदस्त टक्कर में चार की मौत

जगदलपुर,17 जून 2024 (ए)। जगदलपुर में तेज रफ्तार कार और ट्रैक्टर में टक्कर हो गयी। हादसे में छत्तीसगढ़ के चार लोगों की मौत हो गयी। घटना ओड़िशा के कालाहांडी की बतायी जा रही है। जिस जगह पर ये हादसा हुआ है, वो बस्तर और ओड़िशा का सीमावर्ती क्षेत्र है। भवानी पटना की ओर कार जा रही थी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चे उड़ गये। जानकारी के मुताबिक ट्रैक्टर और तेज रफ्तार कार में टक्कर हुई है। घटना में 4 की मौके पर ही मौत हो गयी। सभी मृतक छत्तीसगढ़ के रहने वाले हैं। घटना कालाहांडी के लाचीपुर के पास की बतायी जा रही है। घटना में शव क्षत विक्षत हो गया है। हालांकि मृतक छत्तीसगढ़ के बताये जा रहे हैं। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर, पीएम के लिए शव भिजवाये हैं।

पीपीटी प्रवेश की परीक्षा 23 जून को

» अभ्यर्थी व्यापम की वेबसाइट से डाऊनलोड करें अपना प्रवेश पत्र...

रायपुर,17 जून 2024(ए)। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल द्वारा पॉलिटेक्निक कॉलेजों में प्रवेश हेतु पी.पी.टी. परीक्षा का आयोजन राज्य के 32 जिला मुख्यालयों में 23 जून 2024 को सवेरे 9:00 से 12:15 बजे तक किया जावेगा। अभ्यर्थी अपनी प्रोफाइल में जाकर प्रवेश पत्र दिनांक 17 जून 2024 से डाउनलोड कर सकते है।

इसके अलावा अभ्यर्थी प्रवेश पत्र व्यापम की वेबसाइट व्यापम. सीजी स्टेट. जीओव्ही.आईएन एवं एच टीटी पी एसः//व्यापमएमआआर.सीजीस्टेट.जीअ ोव्ही.आईएन एवं चिप्स की वेबसाइट एचटीटीपीएसः//व्यापम.सीजीस्टेट.जीओ व्ही.आईएन पर उपलब्ध लिकों में से किसी भी एक लिंक पर क्लिक करके अपने प्रोफाइल लॉगिन पेज पर जा सकते हैं एवं वहां से प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकते हैं। अभ्यर्थियों को उनके पंजीकृत मोबाइल नंबर पर स्क्रू के माध्यम से एक संक्षिप्त यू.आर.एल. भी भेजा जावेगा। अभ्यर्थी इस यू.आर.एल. को क्लिक कर अपने मोबाइल पर सीधे प्रवेश पत्र प्राप्त कर उसका प्रिंट आउट ले सकते हैं।

छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार परीक्षा दिवस को प्रत्येक परीक्षार्थी लगभग एक घंटे पूर्व अपने परीक्षा केन्द्र में उपस्थित रहें, जिससे उनके मूल पहचान पत्र से उनका पहचान किया जा सके एवं परीक्षा केंद्र में जाने हेतु अनुमति दी जा सके। किसी भी परीक्षार्थी को परीक्षा केन्द्र के सम्बंध में कठिनाई होती है तो हेल्पलाइन नंबर +91-0771-2972780 एवं मोबाइल नंबर +91-8269801982 पर संपर्क कर सकते हैं।

अभ्यर्थी संपूर्ण प्रवेश पत्र डाउनलोड करें और उसका प्रिंट आउट अवश्य निकालें। यदि इंटरनेट से प्राप्त प्रवेश पत्र पर फोटो नहीं आता है तो अभ्यर्थी अपने साथ दो रंगीन पासपोर्ट साइज फोटो लेकर परीक्षा केंद्र में जावें। परीक्षार्थियों को डाकघर के माध्यम से प्रवेश पत्र नहीं भेजा जावेगा। यह उचित होगा कि. परीक्षार्थी परीक्षा दिवस से एक दिन पूर्व ही अपने परीक्षा केन्द्र की भौगोलिक स्थिति से भलीभाँति परिचित हो जावें। परीक्षा प्रारंभ होने के पश्चात् किसी को भी परीक्षा केन्द्र में प्रवेश नहीं दिया जायेगा।परीक्षार्थियों को अपना फोटोयुक्त मूल आई डी. प्रू फ जैसे मतदाता पहचान पत्र/ड्रायविंग लायसेंस/पेन कार्ड/आधार कार्ड /पासपोर्ट/विद्यालय का फोटोयुक्त परिचय पत्र/फोटोयुक्त अंकसूची मूलरूप में (फोटो कॉपी मान्य नहीं) परीक्षा दिवस में परीक्षा केन्द्र में लाना अनिवार्य होगा। मूल पहचान पत्र के अभाव में परीक्षा केन्द्र में प्रवेश नहीं दिया जायेगा।

गांव के एक लड़के ने किया ऐसा कमाल कि भरेगा जापान की उड़ान

» बताएगा रोबोटिक तकनीक को

» परिवार की पांच बहनों में अकेला भाई

» जापान में एक हफ्ते तक कार्यक्रम में होगा शामिल...

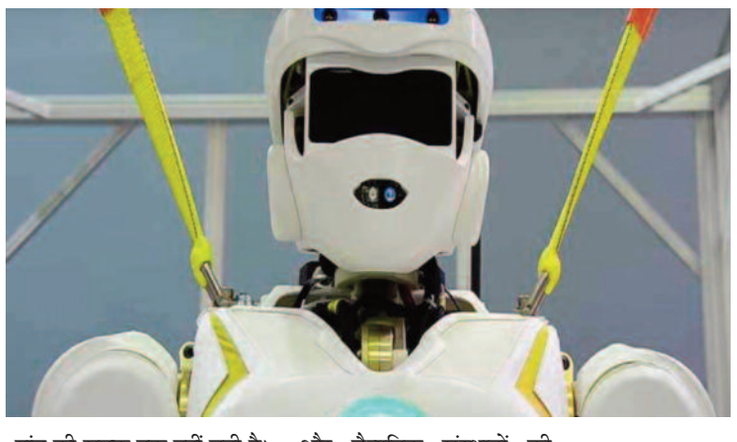

नारायणपुर,17 जून 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ में आए दिन नक्सली हमले होते रहते हैं। ऐसे नक्सलवाद इलाके से एक शख्स ने गर्व का काम किया है। 17 साल का सबीर वड्डे नारायणपुर जिले के गांव हिकोनार का रहने वाला है। बताया जा रहा है इस गांव की सड़क तक नहीं बनी है। माड़िया जनजाति के इस छात्र ने खूब मेहनत की और अब वह रोबोटिक तकनीक की जानकारी के लिए जापान में साइंस सेंटर्स और वैज्ञानिक संस्थानों की तलाश करेगा।जापान में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की ओर से 16 से 22 जून तक साकुरा विज्ञान कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इसमें देश के अ ल ग - अलग छात्रों ने हिस्सों लिया है, जिनमें एक नाम सबीर वड्डे का भी है। सबीर वड्डे भी इस कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे।

10वीं बोर्ड के आधार पर हुआ चयन

इस बीच राज्य के कलेक्टर विपीन मांझी ने बताया कि समग्र शिक्षा अभियान के राज्य कार्यालय से आवासीय विद्यालयों के 10वीं बोर्ड में मिले नंबर के आधार पर मेरिट सूची मांगी गई थी, जिसके आधार पर राज्य स्तर से बच्चों का चयन हुआ है। इसमें सबीर का नाम भी सलेक्ट किया गया था।मिली जानकारी के मुताबिक, सबीर का गांव हिकोनार नारायणपुर से 75 किमी की दूरी पर है। नक्सलियों के प्रभाव के कारण गांव तक सड़क नहीं बन पाई है। सबीर ने बताया कि नारायणपुर में रहते हुए वह अब नीट परीक्षा की तैयारी भी कर रहा है। वह आगे चिकित्सक बनकर क्षेत्र की सेवा करना चाहता है। बता दें कि लड़के की पांच बहनें हैं, जिनमें वो अकेला भाई है।

राजधानी में तोड़ी गई भगवान श्री कृष्ण की मूर्ति

हिन्दू समाज ने दिखाया आक्रोश

रायपुर,17 जून 2024(ए)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के खरोरा के फरहदा गांव में असामाजिक तत्वों ने भगवान कृष्ण की मूर्ति और गोवर्धन पर्वत को खंडित कर दिया है। घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों में आक्रोश है। दोषियों की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। घटना रविवार शाम की बताई जा रही है। जानकारी के मुताबिक, असामाजिक तत्वों ने मूर्ति को बड़े पत्थर से तोड़ा है। जिससे कृष्ण भगवान की सिर गायब हो गई। ग्रामीणों की नाराजगी को देखते हुए रात में ही 50 से अधिक पुलिसकर्मियों को तैनात कर दिया गया था। जिससे गांव में शांति बने रहे।

मूर्ति तोड़े जाने की जानकारी गांव में फैलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण इकट्ठा हो गए और देर रात विरोध जताते रहे। इस दौरान पुलिस भीड़ को समझाती रही। लेकिन गुस्साए ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की। ग्रामीणों की मांग थी कि मूर्ति तोड़ने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। पुलिस ने असामाजिक तत्वों के खिलाफ जल्द से जल्द कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है। जिसके बाद लोगों ने प्रदर्शन खत्म किया। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा साई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह*(पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)